License Information

Translation Questions (unfoldingWord) (Hindi) is based on: unfoldingWord® Translation Questions, unfoldingWord, 2022, which is licensed under a CC BY-SA 4.0 license.

This PDF version is provided under the same license.

Translation Questions (unfoldingWord)

गिनती 1:1–3

यहोवा ने मूसा से जनगणना में किसकी गिनती नाम लेकर करने को कहा था?

उन्होंने मूसा से कहा कि इस्राएल के एक-एक पुरुष की गिनती नाम ले लेकर करना, जितने पुरुष बीस वर्ष या उससे अधिक आयु के हों।

गिनती 1:4

गोत्र के मुख्य पुरुष के रूप में कौन मूसा की सेवा करेंगे?

प्रत्येक गोत्र से एक पुरुष, जो अपने पितरों के घराना का मुख्य होगा, वे ही अपने गोत्र के मुख्य पुरुष के रूप में सेवा करेंगे।

गिनती 1:18

प्रत्येक व्यक्ति ने अपनी वंशावली कैसे लिखवाई?

उन्होंने अपने-अपने कुल और अपने-अपने पितरों के घराने के अनुसार वंशावली लिखवाई।

गिनती 1:46

गोत्रों में से कितने गिने हुए पुरुष थे जो बीस वर्ष या उससे अधिक आयु के थे जो युद्ध में लड़ सकते थे?

गोत्रों में से छः लाख तीन हजार साढ़े पाँच सौ पुरुष थे।

गिनती 1:47

किस गोत्र के पुरुष नहीं गिने गए?

लेवीय अपने पितरों के गोत्र के अनुसार नहीं गिने गए।

गिनती 1:50

लेवियों को किस पर अधिकारी नियुक्त किया गया था?

उन्हें साक्षी के तम्बू पर, और उसके सम्पूर्ण सामान पर, अर्थात् जो कुछ उससे सम्बंध रखता है उस पर अधिकारी नियुक्त किया गया था।

गिनती 1:51

यदि कोई दूसरा निवास के समीप आए तो लेवियों को क्या करना था?

यदि कोई दूसरा निवास के समीप आए तो वह लेवियों द्वारा मार डाला जाए।

गिनती 1:52

इस्राएली अपना-अपना डेरा कहाँ खड़ा किया था?

प्रत्येक व्यक्ति ने अपना-अपना डेरा अपनी-अपनी छावनी में और अपने-अपने झण्डे के पास खड़ा किया था।

गिनती 1:53

लेवीय अपने डेरे कहाँ खड़े करने थे?

उन्हें अपने डेरे साक्षी के तम्बू ही के चारों ओर खड़े करने थे।

गिनती 1:54

क्या लोगों ने वही किया जो यहोवा ने आज्ञाएँ दिया था?

हाँ, उन्होंने मूसा के द्वारा यहोवा की ओर से दी गई हर आज्ञा का पालन किया।

गिनती 2:1–2

यहोवा ने मूसा और हारून को गोत्रों को अपने डेरे कहाँ खड़े करने को कहा?

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि इस्राएली अपने-अपने झण्डे और अपने-अपने पितरों के घराने के निशान के समीप, मिलापवाले तम्बू के चारों ओर और उसके सामने अपने-अपने डेरे खड़े करें।

गिनती 2:3–4

मूसा ने यहूदा के गोत्र की चौहत्तर हजार छः सौ पुरुषों की सेना को कहाँ डेरा खड़ा करने को कहा था, और उनकी सेना का प्रधान कौन होगा?

उन्हें यहूदा की छावनीवाले झण्डे के चारों ओर डेरा खड़ा करना था, जो मिलापवाले तम्बू के पूर्व दिशा की ओर है जहाँ सूर्योदय होता है, और उनकी सेना का प्रधान अम्मीनादाब का पुत्र नहशोन होगा।

गिनती 2:5–6

इस्साकार के गोत्र के चौवन हजार चार सौ पुरुषों को कहाँ डेरा खड़ा करना था, और उनकी सेना का प्रधान कौन होगा?

उन्हें यहूदा के समीप डेरा खड़ा करना था, और उनकी सेना का प्रधान सूआर का पुत्र नतनेल होगा।

गिनती 2:7–8

जबूलून गोत्र के सत्तावन हजार चार सौ पुरुषों को कहाँ डेरा डालना चाहिए और उनके दल का प्रधान कौन होगा?

उन्हें इस्साकार के समीप अपना डेरा खड़ा करना था, और उनके दल का प्रधान हेलोन का पुत्र एलीआब होगा।

गिनती 2:9

कौन सी छावनी पहले कूच करेगा?

यहूदा की छावनी में जितने अपने-अपने दलों के अनुसार गिने गए, वे ही पहले कूच करेंगे।

गिनती 2:10–11

रूबेन के गोत्र के साढ़े छियालीस हजार पुरुषों को कहाँ डेरा खड़ा करना था, और उनके दलों का प्रधान कौन होगा?

उन्हें दक्षिण की ओर रूबेन की छावनी के झण्डे के समीप अपने-अपने दलों के अनुसार डेरा खड़ा करना था, और उनका प्रधान शदेऊर का पुत्र एलीसूर होगा।

गिनती 2:12–13

शिमोन के गोत्र के उनसठ हजार तीन सौ पुरुषों को कहाँ डेरा खड़ा करना था, और उनके दल का प्रधान कौन होगा?

उन्हें रूबेन के छावनी के समीप अपना डेरा खड़ा करना था, और उनका प्रधान सूरीशद्दै का पुत्र शलूमीएल होगा।

गिनती 2:14–15

गाद के गोत्र के पैंतालीस हजार साढ़े छः सौ पुरुषों को कहाँ डेरा खड़ा करना था, और उनके दल का प्रधान कौन होगा?

शिमोन के डेरे के बाद गाद के गोत्र को डेरा खड़ा करना था, और उनका प्रधान रूएल का पुत्र एल्यासाप होगा।

गिनती 2:16

छावनी से दूसरा कूच कौन करेंगे?

रूबेन के साथ छावनी में जितने अपने-अपने दलों के अनुसार गिने गए वे दूसरा कूच करेंगे।

गिनती 2:24

एप्रैम की छावनी में कितने पुरुष गिने गए?

एप्रैम के डेरे में गिने गए लोगों की संख्या एक लाख आठ हजार एक सौ पुरुष थी।

गिनती 2:24 (#2)

एप्रैम की छावनी को अन्य छावनियों के सापेक्ष कब कूच करना था?

एप्रैम की छावनी को तीसरे स्थान पर कूच करना था।

गिनती 2:25

दान के दलों का प्रधान कौन थे ?

दान के दलों के प्रधान अम्मीशद्दै का पुत्र अहीएजेर थे।

गिनती 2:32–33

मूसा और हारून ने इस्राएलियों में किन्हें नहीं गिने और क्यों?

मूसा ने लेवीय को इस्राएलियों में नहीं गिने क्योंकि यहोवा ने मूसा को यही आज्ञा दी थी।

गिनती 2:34

इस्राएली लोगों ने क्या किया?

जो-जो आज्ञा यहोवा ने मूसा को दी थी, इस्राएली उन आज्ञाओं के अनुसार अपने-अपने कुल और अपने-अपने पितरों के घरानों के अनुसार, अपने-अपने झण्डे के पास डेरे खड़े करते और कूच भी करते थे।

गिनती 3:1

यह किसकी वंशावली थी?

यह हारून और मूसा के वंशजों की वंशावली थी।

गिनती 3:2

हारून के पुत्रों के नाम क्या थे?

हारून के पुत्रों के नाम नादाब, अबीहू, एलीआजर और ईतामार थे।

गिनती 3:4

नादाब और अबीहू यहोवा के सामने क्यों मर गए?

नादाब और अबीहू यहोवा के सामने मर गए जब वे उनके सम्मुख अनुचित आग ले गए ।

गिनती 3:4 (#2)

हारून के कौन से पुत्र हारून के साथ याजक का काम करते थे?

एलीआजर और ईतामार अपने पिता हारून के साथ याजक का काम करते थे।

गिनती 3:6

यहोवा ने किस गोत्र को हारून को याजक के रूप में सेवा करने में सहायता करने के लिए कहा था?

लेवी गोत्रवालों को हारून की सहायता करने के लिए कहा गया था।

गिनती 3:7–8

लेवी गोत्र के काम क्या थे?

उन्हें हारून और सारी मण्डली की ओर से सौंपे गए सारे कामों का पालन करना था, मिलापवाले तम्बू के सम्पूर्ण सामान की देखभाल करनी थी, और निवास-स्थान की सेवा में गोत्रों की मदद करनी थी।

गिनती 3:9–10

यहोवा ने हारून और उनके पुत्रों की सहायता के लिए किसे सौंपा था?

यहोवा ने लेवियों को हारून और उनके पुत्रों को इस्राएलियों के लिए याजक के रूप में सेवा करने के लिए दिया।

गिनती 3:11–13

यहोवा ने अपने लिए किसे पवित्र ठहराया?

यहोवा ने अपने लिए लेवियों को और इस्राएलियों के सब पहिलौठों को, क्या मनुष्य क्या पशु, दोनों को अपने लिये पवित्र ठहराया।

गिनती 3:13

परमेश्वर ने इस्राएल के सभी पहलौठों को कब अपने लिए पवित्र ठहराया?

जिस दिन उन्होंने मिस्र देश के सब पहिलौठों को मारा, उसी दिन उन्होंने क्या मनुष्य क्या पशु इस्राएलियों के सब पहिलौठों को अपने लिये पवित्र ठहराया।

गिनती 3:15–16

यहोवा ने मूसा को लेवियों में से किसे गिनने की आज्ञा दिया था?

यहोवा ने मूसा को आज्ञा दी कि लेवियों में से जितने भी पुरुष एक महीने या उससे अधिक आयु के हों, उनको गिना जाए।

गिनती 3:17

लेवी के पुत्र कौन थे??

लेवी के पुत्र गेर्शोन, कहात, और मरारी थे।

गिनती 3:23

गेर्शोनवाले कुल कहाँ डेरा डाला करें?

गेर्शोनवाले कुल निवास स्थान के पीछे पश्चिम की ओर अपने डेरे डाला करें।

गिनती 3:24

गेर्शोनियों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान कौन होगा?

गेर्शोनियों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान लाएल का पुत्र एल्यासाप होगा।

गिनती 3:25–26

निवास स्थान के परदे, तम्बू और उसके आवरण, मिलापवाले तम्बू के द्वार का परदा, और आँगन के चारों ओर के पर्दे तथा उसके द्वार का परदा, और उसकी सब डोरियों, और मिलापवाले तम्बू की सारी वस्तुओं की देखभाल कौन करेगा?

गेर्शोनवंशियों को जो निवास स्थान के पश्चिम की ओर डेरा डाले रहते थे, उन्हें निवास स्थान के आवरण, पर्दे और डोरियों की, और उसमें काम आनेवाली सब वस्तुओं की ज़िम्मेदारी सौंपी गई थी।

गिनती 3:31

मिलापवाले तम्बू के दक्षिणी ओर डेरा डालने वाले कहातियों को कौन से काम करने को सौंपा गया था?

उन्हें पवित्रस्थान, पवित्रस्थान के परदे, अर्थात् पवित्रस्थान में काम में आनेवाले सारे सामान की देखभाल करने का काम सौंपा गया था।

गिनती 3:32

हारून का पुत्र एलीआजर किस पर प्रधान और मुखिया ठहरे?

वह लेवियों के प्रधानों का प्रधान, और जो लोग पवित्रस्थान की देख-रेख करेंगे उन पर वह मुखिया ठहरे।

गिनती 3:35

मिलापवाले तम्बू के उत्तर की ओर अपने डेरे खड़े करने वाले मरारी के कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान कौन हो?

मरारी के कुलों के मूलपुरुष के घराने का प्रधान अबीहैल का पुत्र सूरीएल हो।

गिनती 3:36–37

मिलापवाले तम्बू के उत्तर के ओर डेरा खड़ा करने वाले मरारीवंशियों को कौन से काम सौंपे गए थे?

उन्हें निवास स्थान के तख्ते, बेंड़े, खम्भे, कुर्सियाँ, और सारा सामान; निदान जो कुछ उसके लगाने में काम आए उनकी देखभाल करनी थी।

गिनती 3:38

मिलापवाले तम्बू के सामने, पूर्व की ओर डेरे डाले हुए मूसा और हारून और उनके पुत्र क्या काम करते थे?

उन्हें पवित्रस्थान और इस्राएलियों की देख-रेख करना था।

गिनती 3:38 (#2)

और दूसरा जो कोई पवित्रस्थान के समीप आए, उसके साथ क्या किया जाना था?

और दूसरा जो कोई पवित्रस्थान के समीप आए वह मार डाला जाए।

गिनती 3:39

मूसा और हारून ने किनको गिना?

एक महीने की या उससे अधिक आयु वाले जितने लेवीय पुरुषों को मूसा और हारून ने गिना।

गिनती 3:41

मूसा ने इस्राएलियों के पहलौठों और उनके पशुओं के बदले यहोवा के लिए किसे चुना?

मूसा ने इस्राएलियों के सब पहिलौठों और पशुओं के बदले लेवियों और उनके पशुओं को चुना।

गिनती 3:43

फिर मूसा ने किसकी गिनती की?

मूसा ने इस्राएल के सब पहलौठे पुरुषों के नामों को गिने, जिनकी आयु एक महीने की या उससे अधिक थी।

गिनती 3:45

सभी लेवियों किसके थे?

लेवीय यहोवा के थे।

गिनती 3:46

मूसा ने इस्राएलियों के उन दो सौ तिहत्तर पहिलौठों में से प्रत्येक को छुड़ाने के लिए, जिनकी संख्या लेवियों की संख्या से अधिक थी, प्रत्येक पहलौठे के लिए कितने शेकेल एकत्र किए?

मूसा ने उन दो सौ तिहत्तर पहलौठे इस्राएलियों में से प्रत्येक को छुड़ाने के लिए पाँच शेकेल प्रति पुरुष एकत्र किए, जो लेवियों की संख्या से अधिक थे।

गिनती 3:51

मूसा ने इस्राएलियों के पहलौठे को छुड़ाने के लिए किसे रुपया दिया?

उन्होंने यहोवा की आज्ञा के अनुसार हारून और उसके पुत्रों को रुपया दिया।

गिनती 3:51 (#2)

यहोवा की आज्ञा के अनुसार मूसा को जो करने को कहा गया था, उसमें से उसने कितना किया?

मूसा ने यहोवा की आज्ञा के अनुसार जो कुछ भी बताया गया था, वह सब किया।

गिनती 4:1–3

मूसा और हारून को क्या करना था?

मूसा और हारून को लेवियों में से कहातियों की तीस वर्ष से लेकर पचास वर्ष तक की आयु वाले पुरुषों की गिनती करनी थी।

गिनती 4:4

कहातियों को मिलापवाले तम्बू में काम करने के लिए क्या करना था?

उन्हें मिलापवाले तम्बू में यहोवा के लिए रखी परमपवित्र वस्तुओं की देखभाल करनी थी।

गिनती 4:5–6

जब जब छावनी का कूच हो तब-तब हारून और उसके पुत्र को क्या उतारना था?

उन्हें मिलापवाले तम्बू के भीतर आकर, बीचवाले पर्दे को उतार कर उससे साक्षीपत्र के सन्दूक को ढाँपना था, फिर उस पर सुइसों की खालों का आवरण डालना था, और उसके ऊपर सम्पूर्ण नीले रंग का कपड़ा डालना था, और सन्दूक में डंडों को लगाना था।

गिनती 4:7

हारून और उसके बेटों को किस पर नीला कपड़ा बिछाना था और उस पर परातों, धूपदानों, करछों, और उण्डेलने के कटोरों को रखने थे?

उन्हें भेंटवाली रोटी की मेज पर नीला कपड़ा बिछाकर उस पर परातों, धूपदानों, करछों, और उण्डेलने के कटोरों को रखने थे।

गिनती 4:7 (#2)

भेंटवाली रोटी की मेज पर प्रतिदिन क्या होना चाहिए था?

भेंटवाली रोटी की मेज पर प्रतिदिन की रोटी होनी चाहिए थी।

गिनती 4:9–10

दीवटों और सारे सामानों को ले जाने के लिए कैसे तैयारी किया जाए?

उन्होंने दीवट और उसके सभी पात्रों पर नीले कपड़े का आवरण डाला, उसे सुइसों की खालों के आवरण से ढक कर डंडे पर धर दिया।

गिनती 4:11

फिर उन्हें भेंटवाली रोटी को ढकने के लिए क्या इस्तेमाल करना था और मेज को उठाने के लिए उसमें क्या लगाना था?

उन्हें भेंटवाली रोटी पर लाल रंग का कपड़ा बिछाकर उसको सुइसों की खालों के आवरण से ढकना था, और मेज को उठाने के लिए उसमे डण्डों को लगाना था।

गिनती 4:11 (#2)

सोने की वेदी और उसके सामानों को ले जाने के लिए कैसे तैयारी करना था?

सोने की वेदी और उसके सभी सामानों को नीले कपड़े में लपेटा जाना था, सुइसों की खालों के आवरण से ढाँपना था, और फिर उसमें डंडों को लगाना था।

गिनती 4:12

पवित्रस्थान में सेवा टहल के सारे सामान कैसे तैयार किए जाने थे?

पवित्रस्थान में सेवा टहल के सारे सामान को नीले कपड़े के भीतर रखकर सुइसों की खालों के आवरण से ढाँपना, और डंडे पर धर देना था।

गिनती 4:13

उन्होंने वेदी पर से क्या उठाना था, और वेदी पर क्या बिछाना था?

वे वेदी पर से सब राख उठाकर उस पर बैंगनी रंग का कपड़ा बिछाएँ।

गिनती 4:14

वेदी पर की सेवा टहल जिस समान से होती है वह कहाँ रखे गए?

वेदी के सेवा टहल में उपयोग होने वाला सारा सामान ढोने वाले ढाँचे पर रखे गए थे।

गिनती 4:14 (#2)

वेदी में डंडों को लगाने से पहले वेदी पर क्या बिछाएँ?

वेदी में डंडों को लगाने से पहले सुइसों की खालों का आवरण बिछाएँ।

गिनती 4:15

जब हारून और उसके पुत्र छावनी के कूच के समय पवित्रस्थान और उसके सारे सामान को ढाँप चुकें, तो उसे उठाने कौन आया?

जब हारून और उसके पुत्र छावनी के कूच के समय पवित्रस्थान और उसके सारे सामान को ढाँप चुकें, तब उसके बाद कहाती उसको उठाने के लिये आए।

गिनती 4:16

हारून याजक के पुत्र एलीआजर को किसकी देख-रेख करनी थी?

उन्हें तेल और उजियाला की देखभाल करनी थी, साथ ही सुगन्धित धूप, नित्य अन्नबलि, अभिषेक का तेल, सारा निवासस्थान और उसमें मौजूद सभी सामानों की देख-रेख करनी थी।

गिनती 4:18–19

कहातियों के कुलों को किन में से नाश न होने देना था ताकि वे न मरें परन्तु जीवित रहें?

कहातियों के कुलों के गोत्रों को लेवियों में से नाश न होने देना ताकि वे न मरें परन्तु जीवित रहें।

गिनती 4:20

यहोवा ने मूसा और हारून को किस विषय में सावधान किया कि कहातियों के कुलों के गोत्र किसको देखने न पाएँ, की कहीं ऐसा न हो कि मर जाएँ?

कहातियों के कुलों के गोत्र पवित्र वस्तुओं के देखने को क्षण भर के लिये भी भीतर आने न पाएँ, कहीं ऐसा न हो कि मर जाएँ।

गिनती 4:20 (#2)

पवित्रस्थान के भीतर आने की अनुमति किसको ही दी गई थी?

केवल हारून और उसके पुत्रों को ही पवित्रस्थान के भीतर आने की अनुमति दी गई थी।

गिनती 4:22–23

मिलापवाले तम्बू की सेवा करने वाले गेर्शोनियों के विषय में यहोवा ने मूसा को क्या करने की आज्ञा दी?

मूसा को तीस वर्ष से लेकर पचास वर्ष तक की आयु के लोगों की जनगणना करनी थी।

गिनती 4:24–26

गेर्शोनियों की क्या सेवकाई थी?

गेर्शोनियों का काम निवासस्थान और मिलापवाले तम्बू के सब आवरण और ओढ़ने और उसके ऊपरवाले सुइसों की खालों के आवरण को उठाना था, और आंगन और उसके द्वार के परदे और उनकी डोरियाँ और उनके काम में आनेवाले सारे सामान को उठाना था।

गिनती 4:27–28

गेर्शोनियों के वंश की सारी सेवकाई किसके कहने से हुआ करे, जिनके ऊपर ईतामार याजक अधिकार रखे हुआ था?

गेर्शोनियों के वंश की सारी सेवकाई हारून और उसके पुत्रों के कहने से हुआ करे।

गिनती 4:31–32

मिलापवाले तम्बू की सेवकाई में मरारी कुल को कौन सा काम करने को सौंपा गया था?

उन्हें निवास के तख्ते, बेंड़े, खम्भे, और कुर्सियाँ, और चारों ओर आँगन के खम्भे, और इनकी कुर्सियाँ, खूँटे, डोरियाँ, और भाँति-भाँति के काम का सारा सामान ढोने के लिये उनको सौंपा गया था और एक-एक वस्तु का नाम लेकर गिनने को कहा गया था।

गिनती 4:34–35

मूसा और हारून और मण्डली के प्रधानों ने यहोवा की आज्ञा का पालन करने के लिए क्या किया?

उन्होंने कहातियों के वंश को, उनके कुलों और पितरों के घरानों के अनुसार, तीस वर्ष से लेकर पचास वर्ष की आयु के, जितने मिलापवाले तम्बू की सेवकाई करने को भर्ती किया, और उन्होंने उन सभी को गिन लिया, की मिलापवाले तम्बू में कौन-कौन सामान उठाएगा और उसकी देख-रेख करेगा।

गिनती 4:41

तीस से पचास वर्ष की आयु तक उनके कुलों में और किसे गिना गया?

गेर्शोनियों के कुलों में से जितने मिलापवाले तम्बू में सेवा करनेवाले गिने गए।

गिनती 4:42–44

मूसा और हारून ने तीस से पचास वर्ष की आयु के और किन लोगों को अपने कुलों में गिना?

मरारियों के कुलों में से जो अपने कुलों और पितरों के घरानों के अनुसार गिने गए।

गिनती 4:47

जब मूसा ने तीस से पचास वर्ष की आयु के प्रत्येक लेवी को कुलों के अनुसार गिना, तो उसने किन चीज़ों की गिनती की?

मूसा ने उन सभी पुरुषों की गिनती की जो मिलापवाले तम्बू की सेवकाई करने और बोझ उठाने का काम करने को हाजिर होनेवाले थे।

गिनती 4:49

जब मूसा द्वारा प्रत्येक पुरुष सेवा और बोझ ढोने के लिए गिने गए, तो मूसा ने किसकी आज्ञा मानी?

जब मूसा द्वारा प्रत्येक पुरुष सेवा और बोझ ढोने के लिए गिने गए, तो उसने यहोवा की आज्ञा मानी।

गिनती 5:2–3

किस समस्याओं के लिए यहोवा ने मूसा को आज्ञा दी चाहे पुरुष हों, चाहे स्त्री, उन्हें छावनी से निकालकर बाहर कर दें?

यहोवा ने मूसा को आज्ञा दी कि वे सब कोढ़ियों को, और जितनों के प्रमेह हो, और जितने लोथ के कारण अशुद्ध हों, उन सभी को छावनी से निकाल दें।

गिनती 5:7

यहोवा ने मूसा को क्या आज्ञा दी कि जो पुरुष और स्त्रियाँ किसी दूसरे के साथ पाप करते हैं, उन्हें क्या करना चाहिए?

जो कोई किसी दूसरे के साथ पाप करता है, तो वह अपना किया हुआ पाप मान ले; और पूरी क्षतिपूर्ति में पाँचवाँ अंश बढ़ाकर अपने दोष के बदले में उसी को दे, जिसके विषय दोषी हुआ हो।

गिनती 5:8–10

प्रायश्चित का क्या प्रावधान था और यदि उस मनुष्य का कोई कुटुम्बी न हो तो दोष का बदला किसे दिया जाए?

उसे कीमत के साथ एक प्रायश्चितवाले मेढ़े भी भेंट करके याजक के पास लाना था, और बाद में वह वस्तुएँ याजक का हो जाता था।

गिनती 5:15

यहोवा ने मूसा को उस स्त्री के साथ क्या करने को कहा जिसके पति को लगता था कि उसने उसके विरुद्ध पाप किया है?

वह पुरुष अपनी स्त्री को पाप के संभावित सूचक के रूप में जौ के मैदे की अन्नबलि के साथ याजक के पास लाया।

गिनती 5:16–17

याजक ने सबसे पहले क्या किया?

सबसे पहले याजक उस स्त्री को समीप ले जाकर यहोवा के सामने खड़ा करे; और मिट्टी के पात्र में पवित्र जल ले, और निवास-स्थान की भूमि पर की धूल में से कुछ लेकर उस जल में डाल दे।

गिनती 5:18–19

तब याजक ने क्या किया?

तब याजक उस स्त्री को यहोवा के सामने खड़ा करके उसके सिर के बाल बिखराए, और जलनवाले अन्नबलि को उसके हाथों पर धर दे। याजक ने उस कड़वे जल को हाथ में लेकर उसे शपथ खिलाई, कि यदि वह विश्वासघाती हुई हो तो उसे श्राप लगेगा।

गिनती 5:22

यदि वह दोषी थी तो श्राप का क्या कारण था?

श्राप के कारण उसकी जांघें सड़ गई और पेट फूल गया।

गिनती 5:24

याजक को उस कड़वे पानी के साथ क्या करना था जिसमें श्राप था?

याजक उस स्त्री को वह कड़वा जल पिलाए।

गिनती 5:25–26

याजक ने अन्नबली का क्या किया?

याजक ने स्त्री के हाथ से अन्नबलि ली, उसे यहोवा के सामने रखा, उसका एक भाग यहोवा को दिया, और उसे वेदी पर जलाया।

गिनती 5:26

याजक ने कड़वे जल के साथ क्या किया?

उन्होंने स्त्री को कड़वा जल पीने को दिया।

गिनती 5:27

यदि स्त्री ने अपने पति का विश्वासघात किया हो तो उसके साथ क्या होगा?

उसका पेट फूलेगा, और उसकी जाँघ सड़ जाएगी, और उस स्त्री का नाम उसके लोगों के बीच श्रापित होगा।

गिनती 5:28

यदि वह स्त्री अशुद्ध न हुई हो और शुद्ध ही हो तो उसके साथ क्या होगा?

तो वह निर्दोष ठहरेगी और गर्भवती हो सकेगी।

गिनती 5:29–30

जलन की व्यवस्था क्या है?

यह उस स्त्री के लिये व्यवस्था है जो अपने पति से दूर हो जाती है और अशुद्ध हो जाती है। और यह उस पुरुष के लिये भी व्यवस्था है जिसके मन में जलन की आत्मा आती है, जब वह अपनी स्त्री पर जलता है।

गिनती 6:2

यहोवा के लिये नाज़ीर की मन्नत लेकर किसने अपने आप को अलग किया?

एक पुरुष या स्त्री ने यहोवा के लिए स्वयं को अलग करने के लिए नाज़ीर की मन्नत ली।

गिनती 6:3–4

जो व्यक्ति यहोवा के लिये नाज़ीर का मन्नत मान ले, अपने अलग रहने के दिनों में उसे क्या नहीं खाना था?

वह दाखमधु, मदिरा, सिरका, दाख का रस, दाख, चाहे हरी हो चाहे सूखी—ऐसी कोई भी चीज़ नहीं खाता था जिसमें दाख हो।

गिनती 6:5

अपने अलग रहने के दिनों में उसने क्या नहीं करना था?

जितने दिन उसने अलग रहने की मन्नत मानी हो उतने दिन तक वह अपने सिर पर छुरा न फिराए।

गिनती 6:6

यहोवा के लिये अलग रहने के दिनों में नाज़ीर की मन्नत मानने वाला किसके पास न जाए?

जो व्यक्ति नाज़ीर की मन्नत लेता है वह लोथ के पास न जाए।

गिनती 6:8

अपने अलग रहने के सारे दिनों में वह किसके लिये पवित्र ठहरा रहे?

अपने अलग रहने के सारे दिनों में वह यहोवा के लिये पवित्र ठहरा रहे।

गिनती 6:9

एक नाज़ीर को लोथ से अशुद्ध होने के सातवें दिन बाद क्या करना चाहिए था?

सातवें दिन बाद एक नाज़ीर अपना सिर मुंडा लेता था।

गिनती 6:10–11

एक अशुद्ध नाज़ीर को अपने आप को पवित्र करने के दिन, आठवें दिन, प्रायश्चित के लिए मिलापवाले तम्बू के द्वार पर याजक के पास सबसे पहले क्या लाना था?

आठवें दिन उसे प्रायश्चित के लिए दो पंडुक या कबूतरी के दो बच्चे मिलापवाले तम्बू के द्वार पर याजक के पास लाने थे। फिर उसी दिन उसे खुद को पवित्र करना था।

गिनती 6:11

वे दो भेंटें किस लिये थीं?

दो भेंटें एक पापबलि और एक होमबलि के रूप में प्रायश्चित के लिए थीं।

गिनती 6:12

अपने अलग रहने के दिनों को फिर यहोवा के लिये अलग ठहराने के लिए उन्हें क्या दोषबलि लेकर आना था?

अपने अलग रहने के दिनों को फिर यहोवा के लिये अलग ठहराने के लिए, उन्हें दोषबलि के रूप में एक वर्ष का एक भेड़ का बच्चा लाना था।

गिनती 6:14–15

नाज़ीर को अपने दोषबलि के लिये एक निर्दोष भेड़ का बच्चा चढ़ाने के साथ, और कौन-कौन से भेंट मिलापवाले तम्बू के प्रवेश द्वार पर चढ़ानी होती थीं?

उसे यहोवा के लिए पापबलि के रूप में एक वर्ष की निर्दोष भेड़ की बच्ची, मेलबलि के रूप में एक निर्दोष मेढ़ा, अख़मीरी रोटी की एक टोकरी, एक अन्नबलि, और एक अर्घ चढ़ाना था।

गिनती 6:16–17

नाज़ीर के लिए यहोवा को बलि कौन चढ़ाए?

याजक को उन्हें यहोवा के सामने पहुँचाना था।

गिनती 6:18

नाज़ीर अपने सिर को मिलापवाले तम्बू के द्वार पर मुँड़ाकर अपने बालों का क्या करें?

नाज़ीर अपने बालों को उस आग पर डाल दे जो मेलबलि के नीचे होगी।

गिनती 6:19–20

याजक नाज़ीर के हाथों में यहोवा के लिये भेंट चढ़ाने को क्या-क्या धर दे?

याजक मेढ़े का पकाया हुआ कंधा, टोकरी में से एक अख़मीरी रोटी, और एक अख़मीरी पपड़ी लेकर नाज़ीर के हाथों पर धर दे।

गिनती 6:20

यह भेंट, साथ ही हिलाई हुई छाती और उठाई हुई जाँघ, बाद में किसके लिए पवित्र ठहरें?

यह भेंट, साथ ही हिलाई हुई छाती और उठाई हुई जाँघ, बाद में याजक के लिए पवित्र ठहरें।

गिनती 6:20 (#2)

इसके बाद वह नाज़ीर क्या पी सकेगा?

इसके बाद वह नाज़ीर दाखमधु पी सकेगा।

गिनती 6:25–26

यहोवा की ओर से हारून और उसके पुत्रों को लोगों को कौन-सी आशीष देनी थी?

हारून और उसके पुत्रों को लोगों को यहोवा के मुख का प्रकाश और शान्ति की आशीष देनी थी।

गिनती 7:1

जिस दिन निवास स्थान और वेदी को खड़ा किया गया, उस दिन मूसा ने यहोवा के लिए किसका अभिषेक करके उसको पवित्र किया?

उसने यहोवा के लिए निवासस्थान, उसके सारे सामान, वेदी और उसके सारे सामान का अभिषेक करके उसे पवित्र किया।

गिनती 7:3

इस्राएल के एक-एक प्रधान, निवास स्थान के सामने कौन से भेंट ले आए?

वे निवास स्थान के सामने भेंट के रूप में छः भरी हुई गाड़ियाँ और बारह बैल ले आए।

गिनती 7:5

मूसा ने भेंट किसे बाँट दी?

मूसा ने लेवियों के एक-एक कुल की विशेष सेवकाई के अनुसार भेंट बाँट दि।

गिनती 7:7

गेर्शोनियों को उनकी सेवकाई के अनुसार क्या मिला?

गेर्शोनियों को उनकी सेवकाई के अनुसार दो गाड़ियाँ और चार बैल मिले।

गिनती 7:8

मरारियों को उनकी सेवकाई के अनुसार क्या मिला?

मरारियों को उनकी सेवकाई के अनुसार चार गाड़ियाँ और आठ बैल मिले।

गिनती 7:9

कहातियों को भेंट के रूप में गाड़ियाँ और बैल क्यों नहीं मिले?

कहातियों को भेंट के रूप में गाड़ियाँ और बैल नहीं मिले क्योंकि उन्होंने निवासस्थान के लिए रखे गए पवित्र वस्तुओं को अपने कंधों पर उठाया था।

गिनती 7:10

प्रत्येक प्रधान को वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट कब समीप ले जानी थीं?

अपने-अपने दिन पर प्रत्येक प्रधान अपनी भेंट वेदी के समीप ले जाते थे।

गिनती 7:12

इस्राएल के बारह गोत्रों में से सबसे पहले वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट कौन ले गया?

यहूदा इस्राएल के बारह गोत्रों में से पहला था जिसने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले गया।

गिनती 7:18

दूसरे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

दूसरे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से इस्साकार ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:24

तीसरे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

तीसरे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से जबूलून ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:30

चौथे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

चौथे दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से रूबेन ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:36

पांचवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

पाँचवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से शिमोन ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:42

छठवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

छठवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से गाद ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:54

आठवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

आठवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से मनश्शे ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:60

नवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

नवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से बिन्यामीन ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:72

ग्यारहवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

ग्यारहवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से आशेर ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:78

बारहवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

बारहवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से नप्ताली ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:66

दसवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से किसने वेदी के संस्कार के लिये अपनी भेंट ले आया?

दसवें दिन, इस्राएल के बारह गोत्रों में से दान ने वेदी के संस्कार के लिए अपनी भेंट ले आया।

गिनती 7:89

जब मूसा मिलापवाले तम्बू में गया, तब यहोवा ने उससे कहाँ से बातें कीं?

यहोवा ने मूसा से दोनों करूबों के मध्य, साक्षीपत्र के सन्दूक के ऊपर प्रायश्चित के ढकने पर से बातें कीं।

गिनती 8:2

यहोवा ने हारून को सात दीपकों के बारे में क्या आज्ञा दिए थे?

यहोवा ने आज्ञा दी कि दीपकों को दीवट के सामने प्रकाश देना चाहिए।

गिनती 8:4

मूसा को दीवट का नमूना किसने दिखलाया था?

यहोवा ने मूसा को दीवट का नमूना दिखलाया था।

गिनती 8:5–6

यहोवा ने मूसा से लेवियों के लिए क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा, इस्राएलियों के मध्य में से लेवियों को अलग लेकर शुद्ध करे।

गिनती 8:7

मूसा ने लेवियों को शुद्ध करने के लिए क्या किया?

मूसा ने उन पर पावन करनेवाला जल छिड़का, उनका सर्वांग मुँण्ड़न करवाया, और उनके वस्त्र धोये।

गिनती 8:8

लेवियों ने कौन-सी भेंट चढ़ाई?

लेवियों ने दो बछड़े और तेल से सने हुए मैदे की अन्नबलि चढ़ाई।

गिनती 8:10

यहोवा ने मूसा से क्या कहा कि वह इस्राएलियों से कहे कि वे लेवियों को शुद्ध करने के लिए करें?

यहोवा ने इस्राएलियों से कहा कि वे अपने-अपने हाथ लेवियों पर रखें।

गिनती 8:11

उन्होंने लेवियों को यहोवा के सामने मानो ऊँचा उठाया हुआ क्यों प्रस्तुत किया?

उन्होंने लेवियों को लोगों की ओर से प्रस्तुत किया, ताकि वे यहोवा की सेवा करनेवाले ठहरें।

गिनती 8:12

लेवियों के लिये बछड़े किस प्रकार की भेंट थे?

लेवियों के प्रायश्चित के लिये बछड़े पापबलि और होमबलि थे।

गिनती 8:12 (#2)

लेवियों ने अपने-अपने हाथ कहाँ रखे?

लेवियों ने अपने-अपने हाथ बछड़ों के सिरों पर रखे।

गिनती 8:14–15

कौन सा गोत्र इस्राएलियों में से अलग किया गया, शुद्ध किया गया, और यहोवा को भेंट के लिये अर्पण किया गया ताकि वे मिलापवाले तम्बू सम्बंधी सेवा टहल कर सकें?

लेवी गोत्र को इस्राएलियों में से अलग किया गया, शुद्ध किया गया, और यहोवा को भेंट के लिये अर्पण किया गया ताकि वे मिलापवाले तम्बू सम्बंधी सेवा टहल कर सकें।

गिनती 8:17

यहोवा ने इस्राएलियों के पहलौठे चाहे मनुष्य के हों, चाहे पशु को कब अपने लिए पवित्र ठहराया?

जिस दिन यहोवा ने मिस्र देश के सब पहिलौठों को मार डाला, उसी दिन उन्होंने इस्राएलियों के पहलौठे, चाहे मनुष्य के हों, चाहे पशु को अपने लिए पवित्र ठहराया।

गिनती 8:19

यहोवा ने इस्राएलियों के प्रायश्चित के लिए किसे दिया ताकि जब वे पवित्रस्थान के समीप आएँ तब उन पर कोई महाविपत्ति न आ पड़े?

उन्होंने लेवियों को, पहलौठे के स्थान पर, हारून और उसके पुत्रों को दिया ताकि वे मिलापवाले तम्बू में लोगों के निमित्त सेवकाई और प्रायश्चित किया करें।

गिनती 8:20

यहोवा की आज्ञा पाकर मूसा, हारून और इस्राएलियों की सारी मण्डली ने लेवियों के विषय क्या ठीक वैसा ही किया?

हाँ, लेवियों के विषय यहोवा की आज्ञा पाकर मूसा और हारून और इस्राएलियों की सारी मण्डली ने उनके साथ ठीक वैसा ही किया।

गिनती 8:24

मिलापवाले तम्बू सम्बंधी काम करने के लिये भीतर की आयु सीमा के बारे में यहोवा ने मूसा से क्या कहा?

पच्चीस वर्ष की आयु वाले लेवीय पचास वर्ष की आयु तक सेवा कर सकते थे।

गिनती 8:26

जब वे पचास वर्ष की आयु के बाद मिलापवाले तम्बू में सेवकई नहीं कर सकते थे, तो वे क्या किया करें?

पचास वर्ष की आयु के बाद लेवीय अपने भाई-बन्धुओं की मदद कर सकते थे।

गिनती 9:1

सीनै के जंगल में मूसा से किसने बात की?

यहोवा ने सीनै के जंगल में मूसा से बात की।

गिनती 9:1 (#2)

यहोवा ने मूसा से कब बात की?

इस्राएलियों के मिस्र देश से निकलने के दूसरे वर्ष के पहले महीने में यहोवा ने सीनै के जंगल में मूसा से बात की।

गिनती 9:3

इस्राएलियों को सीनै के जंगल में फसह कब मनाना था?

उन्हें हर वर्ष के पहले महीने के चौदहवें दिन को फसह मानना था।

गिनती 9:7

मूसा कौन सा प्रश्न लेकर यहोवा के पास गए?

मूसा यहोवा के पास एक प्रश्न लेकर गए क्योंकि वहाँ कुछ मनुष्य अशुद्ध थे, परन्तु फसह मनाना चाहते थे।

गिनती 9:10

यहोवा से मूसा के प्रश्न का क्या उत्तर मिला?

यहोवा ने मूसा से कहा कि यदि कोई मनुष्य किसी लोथ के कारण या दूर की यात्रा पर होने के कारण अशुद्ध है, तो भी वह फसह को मना सकता है।

गिनती 9:11

उन लोगों को फसह का पर्व पहले महीने के चौदहवें दिन के बजाय कब मनाना था?

जो लोग अशुद्ध थे या दूर की यात्रा पर थे, वे दूसरे महीने के चौदहवें दिन फसह मनाते थे।

गिनती 9:11–12

फसह को मनाने के लिए कौन-कौन सी विधियाँ थी?

उन्होंने फसह में अख़मीरी रोटी और कड़वे सागपात खाईं और उसमें से कुछ भी सुबह तक नहीं छोड़ा, तथा बलिपशु की एक भी हड्डी नहीं तोड़ी।

गिनती 9:13

किस कारण एक मनुष्य को अपने लोगों में से नाश किया जाए?

जो मनुष्य शुद्ध हो और यात्रा पर न हो, परन्तु यहोवा की आज्ञा के अनुसार फसह को न माने, वह मनुष्य अपने लोगों में से नाश किया जाए।

गिनती 9:14

इस्राएल देश में एक परदेशी के लिए फसह की विधि क्या था?

उसे फसह मनाना था, सभी विधियों और आवश्यक नियमों का पालन करना था।

गिनती 9:15–16

रात में निवास स्थान के ऊपर छाए बादल का क्या हुआ?

रात में बादल आग के समान दिखाई दिया।

गिनती 9:17

लोगों को कैसे पता चलता था कि उन्हें प्रस्थान करना है या नहीं करना है?

जब जब वह बादल तम्बू पर से उठ जाता तब लोग प्रस्थान करते थे; और जिस स्थान पर बादल ठहर जाता वहीं लोग अपने डेरे खड़े करते थे।

गिनती 9:19

जब बादल बहुत दिन निवास स्थान पर छाया रहता था, तो लोग क्या करते थे?

लोग यहोवा की आज्ञाओं का पालन करते थे और प्रस्थान नहीं करते थे।

गिनती 9:20–21

लोग केवल कब प्रस्थान कर सकते थे?

लोग तभी प्रस्थान कर सकते थे जब यहोवा के आज्ञा पर बादल उठ जाता था।

गिनती 9:22

इस्राएली कब अपने डेरों में रहते और प्रस्थान नहीं करते थे?

बादल जब तक निवास पर ठहरा रहता, तब तक इस्राएली अपने डेरों में रहते और प्रस्थान नहीं करते थे।

गिनती 9:23

इस्राएली यहोवा की आज्ञा कैसे माना करते थे?

इस्राएली यहोवा की आज्ञा को मूसा के द्वारा प्राप्त करके माना करते थे।

गिनती 10:2

यहोवा ने मूसा से चाँदी की दो तुरहियाँ गढ़कर बनाने के लिए क्यों कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वह मण्डली को एक साथ बुलाने या अपने छावनियों को प्रस्थान करने के लिए चांदी की दो तुरहियाँ बनाए।

गिनती 10:3

तुरही कौन फूँकने वाले थे?

तुरही याजक फूँकने वाले थे।

गिनती 10:4

केवल प्रधान लोगों को मूसा के पास इकट्ठा होने का संकेत क्या था?

जब याजक केवल एक तुरही फूँकते थे, तो यह केवल प्रधान लोगों के लिए मूसा के पास इकट्ठा होने का संकेत होता था।

गिनती 10:5

पूर्व दिशा के लोगों के लिए प्रस्थान करने का संकेत क्या था?

पूर्व दिशा के लोगों के लिए प्रस्थान करने का संकेत एक जोरदार तुरही का फूँकना था।

गिनती 10:6

दक्षिण दिशा की छावनियों के लिए प्रस्थान करने का क्या संकेत था?

दक्षिण दिशा की छावनियों के लिए प्रस्थान करने का संकेत दूसरी बार जोरदार तुरही का फूँकना था।

गिनती 10:7

तुरही की हल्की फूँक क्या संकेत देती थी?

लोगों को एक साथ इकट्ठा होना था।

गिनती 10:8

हमेशा तुरहियों को कौन फूँका करता था?

हारून के पुत्र जो याजक हैं वे उन तुरहियों को फूँका करते थे।

गिनती 10:9

जब वे लड़ने को निकलते और तुरहियाँ फूँककर चेतावनी देते, तो यहोवा क्या करते?

जब वे लड़ने को निकलते और तुरहियाँ फूँककर चेतावनी देते, तब यहोवा उन्हें स्मरण करते और उनके शत्रुओं से उन्हें बचाते थे।

गिनती 10:10

आनन्द के दिन में परमेश्वर को क्या स्मरण दिलाया जाता था कि उनका परमेश्वर यहोवा है?

वे अपने होमबलियों और मेलबलियों के साथ उन तुरहियों को फूँकते थे।

गिनती 10:11

दूसरे वर्ष के दूसरे महीने के बीसवें दिन क्या हुआ?

दूसरे वर्ष के दूसरे महीने के बीसवें दिन को बादल निवास के तम्बू पर से उठ गया।

गिनती 10:12

इस्राएली सीनै के जंगल में से निकलकर प्रस्थान करके कहाँ निकले?

इस्राएली सीनै के जंगल में से निकलकर प्रस्थान करके पारान नामक जंगल में चले गये।

गिनती 10:14

सबसे पहले किस छावनी का प्रस्थान हुआ?

सबसे पहले यहूदियों की छावनी का प्रस्थान हुआ।

गिनती 10:17

निवास के तम्बू को कौन उठाते थे?

गेर्शोनियों और मरारियों निवास के तम्बू को उठाते थे।

गिनती 10:21

निवास के तम्बू के पवित्र वस्तुओं को कौन उठाए हुए प्रस्थान किया?

कहातियों ने पवित्र वस्तुओं को उठाए हुए प्रस्थान किया।

गिनती 10:22

अगली छावनी किस झण्डे के अधीन प्रस्थान करेंगी?

एप्रैमियों के झण्डे के अधीन अगली छावनी प्रस्थान करेंगी।

गिनती 10:25

अंतिम छावनी किस झण्डे के नीचे प्रस्थान हुई थी?

दानियों के झंडे तले डेरा डालने वाली छावनी सबसे आखिर में प्रस्थान हुई थी।

गिनती 10:29

रूएल कौन था?

रूएल मूसा का ससुर था।

गिनती 10:29 (#2)

मूसा ने इस्राएलियों के संग आने के लिए किसे आमंत्रित किया?

मूसा ने अपने ससुर के पुत्र होबाब को आमंत्रित किया।

गिनती 10:30

इसके बजाय होबाब कहाँ जाऊँगा करके उत्तर दिया?

होबाब अपने देश और कुटुम्बियों के पास जाना चाहता था।

गिनती 10:31

मूसा क्यों चाहते थे कि होबाब उनके साथ जाए?

मूसा चाहते थे कि होबाब उनके साथ जाए क्योंकि वह जंगल में डेरा खड़ा करना जानता था।

गिनती 10:33-34

जब वे वाचा के सन्दूक के साथ दिन भर यात्रा करते थे, तो उनके ऊपर क्या होता था?

जब वे वाचा के सन्दूक के साथ दिन भर में यात्रा करते थे, तो यहोवा का बादल उनके ऊपर छाया रहता था।

गिनती 10:35

जब जब सन्दूक का प्रस्थान होता था तब-तब मूसा यहोवा से क्या कहा करता था?

वो यहोवा से कहा करता था कि वह अपने शत्रुओं को तितर-बितर कर दे और जो उससे बैर रखते थे उन्हें अपने सामने से भगा दे।

गिनती 10:36

जब वे ठहर गये तब मूसा यहोवा से क्या कहा?

उसने यहोवा से हजारों-हजार इस्राएलियों में लौटकर आने के लिए कहा।

गिनती 11:1

यहोवा लोगों की कौन सी बातों को सुन रहे थे?

लोग अपनी परेशानियों के बारे में बुड़बुड़ाने लगे जिसे यहोवा ने सुना।

गिनती 11:2

जब लोग आग के बारे में मूसा के पास चिल्लाने लगे तो उसने क्या किया?

जब लोग मूसा के पास चिल्लाने लगे, उसने यहोवा से प्रार्थना की, तब वह आग बुझ गई।

गिनती 11:4

जब इस्राएली रोने लगे, तो वे क्या कह रहे थे?

इस्राएली रोने और कहने लगे, "हमें माँस खाने को कौन देगा?"

गिनती 11:8

लोग मन्ना को कहाँ जाकर बटोरते थे?

लोग छावनी में इधर-उधर जाकर मन्ना बटोरते थे।

गिनती 11:9

छावनी में मन्ना कब गिरता था?

जब रात को छावनी पर ओस पड़ती थी, तब मन्ना भी गिरता था।

गिनती 11:11

मूसा ने यहोवा से अपने प्रति व्यवहार के विषय में क्या कहा?

मूसा ने कहा कि यहोवा ने अपने दास के साथ बहुत बुरा व्यवहार किया है।

गिनती 11:13

लोग मूसा के सामने क्या कह-कहकर रो रहे हैं?

वे मूसा के सामने रोये और खाने के लिए माँस माँगा।

गिनती 11:16

यहोवा ने मूसा से किसे अपने पास इकट्ठा करने को कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा, इस्राएली पुरनियों में से सत्तर ऐसे पुरुष मेरे पास इकट्ठे कर।

गिनती 11:17

यहोवा ने कहा, जब वह उन पुरनियों पर जो आत्मा तुझ में है उसमें से कुछ लेकर उनमें समवाऊँगा, तब वे क्या करेंगे?

यहोवा ने कहा कि पुरनिये मूसा के साथ मिलकर लोगों का भार उठाएंगे।

गिनती 11:18

लोगों को माँस खाने को कौन देगा?

यहोवा उन्हें माँस देगा और वे उसे खाएंगे।

गिनती 11:20

यहोवा ने लोगों से कब तक माँस खाने को कहा?

लोग पूरे एक महीने तक माँस खाते रहेंगे।

गिनती 11:23

यहोवा ने क्या कहा कि मूसा यहोवा के वचन के विषय में क्या देखेगा?

यहोवा ने कहा कि मूसा देखेगा कि यहोवा का वचन पूरा होता है कि नहीं।

गिनती 11:25

सत्तर पुरनियों ने क्या किया जब आत्मा उनमें आया?

जब वह आत्मा सत्तर पुरनियों में आया तब वे भविष्यवाणी करने लगे।

गिनती 11:26

छावनी में रह गए दो मनुष्य के साथ क्या हुआ?

आत्मा उन दो मनुष्य में भी आया जो छावनी में रह गए थे।

गिनती 11:28

यहोशू ने मूसा से छावनी में भविष्यवाणी कर रहे दो मनुष्य के बारे में क्या करने के लिए कहा?

यहोशू ने मूसा से कहा कि वह उन्हें भविष्यवाणी करने से रोक दे।

गिनती 11:31

बटेरें छावनी पर और कितनी दूरी तक छा गए?

बटेरें छावनी के पास गिरे, एक ओर लगभग एक दिन के मार्ग की दूरी पर और दूसरी ओर भी लगभग एक दिन के मार्ग की दूरी पर।

गिनती 11:32

लोगों ने उठकर कब तक बटेरों को बटोरते रहे?

लोगों ने उठकर उस दिन भर और रात भर, और दूसरे दिन भी दिन भर बटेरों को बटोरते रहे।

गिनती 11:33

यहोवा का कोप उन पर कैसे भड़क उठा, जब माँस उनके मुँह ही में था, और वे उसे खाने न पाए थे?

जब माँस उनके मुँह ही में था, और वे उसे खाने न पाए थे कि यहोवा का कोप उन पर भड़क उठा, और उसने उनको बहुत बड़ी मार से मारा।

गिनती 12:1

किस कारण से मिर्याम और हारून मूसा की निन्दा करने लगे?

मिर्याम और हारून ने मूसा की निन्दा कीं, क्योंकि मूसा ने एक कूशी स्त्री से विवाह किया था।

गिनती 12:3

मूसा नम्र था, इस बात पर जोर देने के लिए क्या कहा गया है?

मूसा तो पृथ्वी भर के रहनेवाले सब मनुष्यों से बहुत अधिक नम्र स्वभाव का था।

गिनती 12:4

यहोवा ने मूसा, हारून, और मिर्याम को कहाँ निकल आओ कहा?

यहोवा ने मूसा, हारून, और मिर्याम को मिलापवाले तम्बू के पास निकल आओ कहा।

गिनती 12:5

यहोवा उनसे बात करने के लिए कहाँ और किसमें प्रकट हुआ?

यहोवा बादल के खम्भे में उतरकर तम्बू के द्वार पर खड़ा हो गया।

गिनती 12:6

यहोवा ने लोगों के बीच अपने भविष्यद्वक्ताओं को अपने आप को कैसे प्रकट किया?

जब यहोवा का कोई भविष्यद्वक्ता लोगों के साथ था, तो यहोवा ने स्वयं को दर्शन और स्वप्न के माध्यम से भविष्यद्वक्ता के सामने प्रकट किया।

गिनती 12:8

यहोवा ने मूसा से अन्य भविष्यद्वक्ताओं की तुलना में अलग तरीके से कैसे बातें की?

यहोवा ने मूसा से आमने-सामने बात की, दर्शन या गुप्त रीति से नहीं।

गिनती 12:9

यहोवा ने हारून और मिर्याम पर कैसे प्रतिक्रिया व्यक्त की?

यहोवा का कोप उन पर भड़का।

गिनती 12:10

जब यहोवा चला गया और बादल तम्बू के ऊपर से उठ गया, और हारून ने मिर्याम की ओर दृष्टि की तो क्या देखा?

जब बादल तम्बू के ऊपर से उठ गया, और मिर्याम कोढ़ से हिम के समान श्वेत हो गई।

गिनती 12:11

जो कुछ उन्होंने मूसा से कहा था उसके बारे में हारून ने क्या कहा?

हारून ने कहा कि उन्होंने मूर्खता से बात की है और पाप किया है।

गिनती 12:12

हारून ने मिर्याम के कोढ़ से ग्रसित देह का वर्णन कैसे किया?

उन्होंने उसे एक मृत नवजात शिशु की तरह बताया जिसकी देह अधगली थी।

गिनती 12:14

यहोवा ने क्या कहा कि यदि कोई पिता अपनी बेटी के मुँह पर थूक दे, तो उसकी सामान्य दण्ड क्या होगी?

यहोवा ने कहा कि यदि उसके पिता ने उसके मुँह पर थूका होता, तो वह सात दिनों तक लज्जित रहती।

गिनती 12:15

मिर्याम को सात दिन तक कहाँ रहना था और जब तक मिर्याम छावनी में वापस नहीं आ गई, लोगों ने क्या नहीं किया?

मिर्याम सात दिन तक छावनी से बाहर बन्द रही, और जब तक मिर्याम छावनी में वापस नहीं आ गई तब तक लोगों ने प्रस्थान न किया।

गिनती 13:2

यहोवा ने मूसा से कुछ पुरुषों को कहाँ भेजने के लिए कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कनान देश जिसे मैं इस्राएलियों को देता हूँ, उसका भेद लेने के लिये पुरुषों को भेज।

गिनती 13:2 (#2)

इस्राएलियों में से भेजे गए पुरुषों का पद क्या था?

वे पुरुष उनके पितरों के प्रति गोत्र के एक-एक प्रधान पुरुष थे।

गिनती 13:16

मूसा ने नून के पुत्र होशे का कौन सा नाम रखा?

मूसा ने नून के पुत्र होशे का नाम यहोशू रखा।

गिनती 13:18

मूसा ने उन पुरुषों को उस देश में बेस हुए लोगों के बारे में क्या देखने को कहा?

मूसा ने पुरुषों से कहा कि वे उसमें बसे हुए लोगों को देखो कि वे बलवान हैं या निर्बल, थोड़े हैं या बहुत।

गिनती 13:19

मूसा ने पुरुषों से देश में बस्तियों के बारे में कैसी-कैसी बातों को देखने के लिए कहा?

मूसा ने उनसे कहा कि वे देखें कि क्या ये शहर तम्बुओं का या गढ़ वाला शहर जैसा है।

गिनती 13:20

मूसा ने प्रधानों से देश के बारे में क्या देखने को कहा और उन्हें क्या लेते आना था?

मूसा ने प्रधानों से कहा कि वे देखें कि क्या वह देश उपजाऊ है, क्या वहां वृक्ष हैं, और उपज में से कुछ लेकर आना था।

गिनती 13:23

एशकोल नामक नाले में उन मनुष्यों ने क्या तोड़ ली?

जब वे मनुष्य एशकोल नामक नाले तक गए, और वहाँ से एक डाली दाखों के गुच्छे समेत तोड़ ली।

गिनती 13:23 (#2)

दाखों के गुच्छे को लेकर चलने के लिए कितने मनुष्यों की आवश्यकता पड़ी, और वे मनुष्य और क्या-क्या ले आए?

दाखों के गुच्छे को लेकर चलने के लिए दो मनुष्य की आवश्यकता पड़ी; और वे अनारों और अंजीरों में से भी कुछ कुछ ले आए।

गिनती 13:25

उन पुरुषों को देश का भेद लेकर लौट आने में कितने दिन लगा?

चालीस दिन के बाद वे उस देश का भेद लेकर लौट आए।

गिनती 13:26

वे मूसा और हारून के अलावा और किसको सन्देशा दिया?

उन्होंने मूसा और हारून और इस्राएलियों की सारी मण्डली को यह सन्देशा दिया।

गिनती 13:28

उस देश के निवासी के बारे में उन पुरुषों ने क्या बताया?

उन पुरुषों ने बताया कि जिन लोगों ने इस देश में अपने घर बनाये थे वे बलवान थे।

गिनती 13:28 (#2)

वे उस देश के नगर के बारे में क्या बताए?

उन पुरुषों ने कहा की उसके नगर गढ़वाले हैं और बहुत बड़े हैं।

गिनती 13:30

कालेब ने लोगों को उस देश पर आक्रमण करने के लिए कब प्रोत्साहित किया?

कालेब ने लोगों को उस देश पर तुरंत आक्रमण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

गिनती 13:31

कालेब के साथ गए दूसरे पुरुषों ने यह क्यों कहा कि वे लोगों पर आक्रमण नहीं कर सकते?

कालेब के साथ गए दूसरे पुरुषों ने कहा कि वे लोगों पर आक्रमण नहीं कर सकते क्योंकि वे उनसे ज़्यादा बलवान थे।

गिनती 13:33

उन पुरुषों ने देश के नपीली की तुलना में स्वयं को किसके समान दिखाई पड़ते हैं कहा?

उन पुरुषों ने कहा कि हम अपनी दृष्टि में नपीली जातिवाले अनाकवंशियों के सामने टिड्डे के समान दिखाई पड़ते थे।

गिनती 14:1

सारी मण्डली ने देश में नपीलों के बारे में समाचार पर कैसे प्रतिक्रिया दी?

सारी मण्डली चिल्ला उठी; और रात भर वे लोग रोते ही रहे।

गिनती 14:2

जब सब इस्राएली मूसा और हारून पर बुड़बुड़ाने लगे, तो उन्होंने क्या चाहा?

उन्होंने मूसा और हारून से कहा कि काश वे मिस्र देश में या जंगल में मर जाते।

गिनती 14:3

जिस देश में यहोवा उन्हें ले जाना चाहते थे उसके बजाय उन्होंने कहाँ जाना अच्छा समझा?

उन्हें यह अच्छा लगा कि वे अपनी स्त्रियाँ और बाल-बच्चों को लेकर मिस्र देश को लौट जाएँ।

गिनती 14:4

वे आपस में क्या कहने लगे?

उन्होंने एक अलग प्रधान चुनने और मिस्र लौटने के बारे में बात की।

गिनती 14:5

मूसा और हारून इस्राएलियों की सारी मण्डली के सामने क्या किया?

मूसा और हारून इस्राएलियों की सारी मण्डली के सामने मुँह के बल गिरे।

गिनती 14:6–7

यहोशू और कालेब क्या किए?

यहोशू और कालेब ने अपने-अपने वस्त्र फाड़कर, और इस्राएलियों की सारी मण्डली से कहने लगे।

गिनती 14:8

यहोशू और कालेब इस्राएलियों की सारी मण्डली से क्या कहने लगे कि यदि यहोवा हम से प्रसन्न हो तो क्या होगा?

उन्होंने कहा कि यदि यहोवा हम से प्रसन्न हो, तो हमको उस देश में, जिसमें दूध और मधु की धाराएँ बहती हैं, पहुँचाकर उसे हमें दे देगा।

गिनती 14:8 (#2)

यहोशू और कालेब ने देश का वर्णन कैसे किया?

यहोशू और कालेब ने उस देश का वर्णन इस प्रकार से किया कि उस देश में दूध और मधु की धाराएँ बहती हैं।

गिनती 14:9

यहोशू और कालेब ने क्यों कहा कि छाया उनके ऊपर से हट गई है?

उन्होंने ऐसा इसलिए कहा कि छाया उनके ऊपर से हट गई है, क्योंकि यहोवा इस्राएल के लोगों के साथ था।

गिनती 14:10

सारी मण्डली यहोशू और कालेब के साथ क्या करना चाहते थे, और यहोवा का तेज कहाँ सब इस्राएलियों पर प्रकाशमान हुआ?

सारी मण्डली चिल्ला उठी, कि इनको पथरवाह करो। तब यहोवा का तेज मिलापवाले तम्बू में सब इस्राएलियों पर प्रकाशमान हुआ।

गिनती 14:12

यहोवा ने मूसा के वंश पर मरी लाने और इस्राएलियों को उनके निज भाग से निकाल देने के बाद उन्हें आशीष देने का प्रस्ताव कैसे दिया?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वह उसके वंश को एक एसी जाति बनाएगा जो इस्राएलियों से अधिक बड़ी और बलवन्त होगी।

गिनती 14:13

मूसा ने क्या कहा कि जब मिस्री यहोवा द्वारा इस्राएल को नष्ट करने के बारे में सुनेंगे तो वे क्या करेंगे?

मूसा ने कहा कि मिस्री इस देश के निवासियों से यह बातें कहेंगे।

गिनती 14:16

मूसा ने क्या कहा कि यदि यहोवा इस्राएलियों को जंगल में घात करे तो अन्य जातियां क्या कहेंगे?

उन्होंने कहा कि लोग ऐसा कहेंगे कि यहोवा उन लोगों को उस देश में जिसे उसने उन्हें देने की शपथ खाई थी, पहुँचा न सका, इस कारण उसने उन्हें जंगल में घात कर डाला।

गिनती 14:19

मूसा यहोवा से लोगों के अधर्म की क्षमा के लिए प्रार्थना क्यों करते हैं?

मूसा ने यहोवा से प्रार्थना की कि वह अपनी वाचा के प्रति महान विश्वासयोग्यता के कारण लोगों के अधर्म को क्षमा कर दे।

गिनती 14:20–21

यहोवा ने मूसा की विनती के अनुसार उन्हें क्षमा कर देने के कारण क्या कहा कि होगा?

यहोवा ने कहा मेरे जीवन की शपथ सचमुच सारी पृथ्वी यहोवा की महिमा से परिपूर्ण हो जाएगी।

गिनती 14:22

जिन्होंने यहोवा की महिमा मिस्र देश में और जंगल में देखी, और यहोवा के किए हुए आश्चर्यकर्मों को देखे, उन सब लोगों ने क्या किया?

सब लोगों ने जिन्होंने यहोवा महिमा मिस्र देश में और जंगल में देखी, और यहोवा के किए हुए आश्चर्यकर्मों को देखने पर भी दस बार उन्होंने यहोवा की परीक्षा की, और उनकी बातें नहीं मानी।

गिनती 14:23

उन लोगों के साथ क्या होने वाला था जिन्होंने यहोवा का अपमान किया था?

जिन लोगों ने यहोवा का अपमान किया था, उनके विषय में यहोवा कहते है जिस देश के विषय मैंने उनके पूर्वजों से शपथ खाई, उसको वे कभी देखने न पाएँगे।

गिनती 14:24

कालेब ने क्या किया क्योंकि उनके पास एक और ही आत्मा थी, और कालेब के साथ क्या होगा?

कालेब के पास एक और ही आत्मा थी, इसलिए उन्होंने यहोवा का पूरी तरह से अनुसरण किया; इसलिए वे उस देश में जाएँगे जिसमें से वह आये थे और उनके वंश उस देश के अधिकारी होंगे।

गिनती 14:25

यहोवा ने लोगों से अगले दिन कहाँ जाने को कहा?

यहोवा ने लोगों से कहा कि कल तुम घूमकर प्रस्थान करो, और लाल समुद्र के मार्ग से जंगल में जाओ।।

गिनती 14:29

यहोवा ने कहा कि कौन-सी आयु के लोगों के शव इसी जंगल में पड़े रहेंगे?

यहोवा ने कहा कि बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के शव इसी जंगल में पड़े रहेंगे।

गिनती 14:30

बीस वर्ष से अधिक आयु के केवल दो पुरुष कौन थे जिन्हें यहोवा ने कहा था कि वह उन्हें उस देश में ले जाएँगे जिसके विषय यहोवा ने शपथ खाई है कि मैं तुम को उसमें बसाऊँगा?

उन्होंने कहा कि वह केवल कालेब और यहोशू को ही उस देश में ले जाएँगे जिसे देने का उन्होंने उनसे वादा किया था।

गिनती 14:31

यहोवा ने और किसे देश में पहुँचा दूँगा कहते थे?

उन्होंने कहा कि वे उन बच्चों को अपने साथ ले जाएंगे जिनके बारे में उनके माता-पिता ने कहा था कि वे पीड़ित होंगे।

गिनती 14:34

लोगों को उनके अधर्म का दण्ड उठाए रहने में कितने वर्ष लगेंगे और वह संख्या क्यों है?

पुरुषों ने चालीस दिनों तक उस देश का भेद लेते रहे, इसलिए वे अपने अधर्म का दण्ड चालीस वर्षों तक उठाए रहेंगे।

गिनती 14:36–37

जिन पुरुषों को मूसा ने उस देश के भेद लेने के लिये भेजा था, उनके साथ क्या हुआ?

जिन पुरुषों को मूसा ने उस देश के भेद लेने के लिये भेजा था, वे सभी यहोवा के मारने से मर गए।

गिनती 14:38

जिन पुरुषों को मूसा ने उस देश के भेद लेने के लिये भेजा था, उनमें से कौन जीवित रहे?

जिन पुरुषों को मूसा ने उस देश के भेद लेने के लिये भेजा था, उनमें से केवल यहोशू और कालेब ही जीवित रहे।

गिनती 14:41–42

मूसा ने लोगों से देश में चढ़ने के लिए क्यों मना किया?

मूसा ने उन्हें चढ़ने से इसलिए मना किया क्योंकि वे यहोवा की आज्ञा का उल्लंघन कर रहे थे और यहोवा उनके मध्य में नहीं थे, जिसके कारण वे शत्रुओं से हार जाएँगे।

गिनती 14:44

कौन लोगों के साथ पहाड़ की चोटी पर चढ़ने के लिए छावनी से बाहर नहीं निकले?

जब वे पहाड़ की चोटी पर चढ़ गए, तब न तो मूसा और न ही यहोवा की वाचा का सन्दूक छावनी से हटे।

गिनती 15:3

यहोवा के लिए पर्वों में चढ़ाई गई बलिदानों के कारण क्या होगा?

पर्वों में चढ़ाई गई बलिदान यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्ध होगी।

गिनती 15:4

उन्हें भेड़ के बच्चे की बलि के साथ कौन सा अन्नबलि चढ़ाना था?

भेड़ के बच्चे की बलि के साथ, उन्हें हीन तेल से सना हुआ एपा का दसवाँ अंश मैदा अन्नबलि करके चढ़ाना था।

गिनती 15:5

लोगों को अपने होमबलि के साथ या प्रत्येक मेम्ने के बलिदान के साथ कौन सा दाखमधु अर्घ करके देना था?

लोगों से कहा गया कि वे प्रत्येक मेम्ने के बलिदान के साथ या उनके होमबलि के साथ हीन दाखमधु अर्घ करके दे।

गिनती 15:12–13

भेंट चढ़ाने के बारे में इस रीति का पालन करने के लिए किसे कहा गया था?

सभी देशी इस्राएलियों को यहोवा द्वारा यहां वर्णित बलिदानों और भेंटों को तैयार करने के लिए कहा गया था।

गिनती 15:15–16

जो परदेशी मण्डली के संग रहते थे, उन पर व्यवस्था और नियम कैसे लागू होते थे?

एक ही व्यवस्था और एक ही नियम यात्री और परदेशी पर लागू होते थे जो इस्राएल के लोगों के संग रहते थे।

गिनती 15:20

लोगों को अपने पहले गुँधे हुए आटे का क्या करना था?

लोगों को अपने पहले गुँधे हुए आटे की एक पपड़ी उठाई हुई भेंट करके यहोवा के लिये चढ़ाना था।

गिनती 15:21

यहोवा ने कितनी बार लोगों को पहले गुँधे हुए आटे का भेंट देने की आज्ञा दी?

उन्होंने कहा कि अपनी पीढ़ी-पीढ़ी में अपने पहले गुँधे हुए आटे में से यहोवा को उठाई हुई भेंट दिया करना।

गिनती 15:24

यदि भूल से किया हुआ पाप मण्डली के बिना जाने हुआ हो तो क्या करना था?

सारी मण्डली यहोवा को सुखदायक सुगन्ध देनेवाला होमबलि करके एक बछड़ा, और उसके संग नियम के अनुसार उसका अन्नबलि और अर्घ चढ़ाए, और पापबलि करके एक बकरा चढ़ाए।

गिनती 15:25–26

याजक किनके लिए प्रायश्चित करे और क्यों?

याजक इस्राएलियों की सारी मण्डली के लिये प्रायश्चित करे, क्योंकि उनका पाप भूल से हुआ।

गिनती 15:30–31

जो मनुष्य ढिठाई से कुछ करे उसके साथ क्या किया जाना था और क्यों?

जो मनुष्य यहोवा के विरुद्ध ढिठाई से कुछ भी करता था, उसे अपने लोगों में से नाश किया जाता था क्योंकि उसने यहोवा के वचन को तुच्छ जाना था और उसकी आज्ञा को तोड़ा था।

गिनती 15:35–36

सारी मण्डली ने विश्राम के दिन लकड़ी इकट्ठा करते पाए गए मनुष्य के साथ क्या किया?

सारी मण्डली के लोगों ने उसको छावनी से बाहर ले जाकर पथरवाह करके मार दिया।

गिनती 15:38

इस्राएलियों को उनके वस्त्रों के छोर पर क्या लगाने की आज्ञा दी गई?

इस्राएलियों को आज्ञा दी गई, की अपनी पीढ़ी-पीढ़ी में अपने वस्त्रों के छोर पर झालर लगाया करना, और एक-एक छोर की झालर पर एक नीला फीता लगाया करना।

गिनती 15:39

लोगों को झालर देखने क्या स्मरण आ जाएगा?

ये झालर इस बात की स्मरण दिलाएँगी कि वे यहोवा की सभी आज्ञाओं का पालन करेंगे और अपने मन और दृष्टि को वश में रखेंगे।

गिनती 15:40

झालर और किन आज्ञाओं को स्मरण कराएगी?

झालर यहोवा के सभी आज्ञाओं का पालन करने को स्मरण कराएँगी और ये भी की वे अपने परमेश्वर के लिये पवित्र बने।

गिनती 15:41

यहोवा ने क्या कहा कि, उसने इस्राएल का परमेश्वर होने के लिये उनके लिये क्या किया?

यहोवा ने कहा कि वह उन्हें मिस्र देश से निकाल ले आया है, ताकि वह उनका परमेश्वर बन सके।

गिनती 16:1

दातान, अबीराम और ओन के साथ मिलकर किसने मूसा के विरुद्ध कुछ लोगों को इकट्ठा किया?

कोरह ने मूसा के विरुद्ध कुछ लोगों को इकट्ठा किया।

गिनती 16:2

कोरह, दातान, अबीराम, और ओन के संग और कौन मूसा और हारून के विरुद्ध उठ खड़े हुए?

इस्राएलियों के ढाई सौ प्रधान, उनके संग मिलकर मूसा के विरुद्ध उठ खड़े हुए।

गिनती 16:3

कोरह और अन्य लोग किन दो पुरुषों के बारे में कहने लगे थे कि तुम यहोवा की मण्डली में ऊँचे पदवाले क्यों बन बैठे हो?

उन्होंने सोचा कि मूसा और हारून यहोवा की मण्डली के बाकी लोगों से खुद को ऊपर उठा रहे हैं।

गिनती 16:4

प्रधानों ने मूसा से जो कहा, उसे सुनकर मूसा ने क्या किया?

प्रधानों ने जो कहा, उसे सुनकर मूसा अपने मुँह के बल गिरा।

गिनती 16:5

मूसा ने किससे कहा कि वह कोरह और उसकी सारी मण्डली को सवेरे अपने समीप ऊपर बुलाकर यह बताए कि उन्हें यहोवा का याजक चुना गया है?

मूसा ने कोरह और उसकी सारी मण्डली से कहा कि यहोवा सवेरे उसे अपने समीप ऊपर बुलाकर बताएगा कि उसने किसे याजक चुना है।

गिनती 16:6–7

मूसा ने किसको अपनी धूपदानें ठीक करने की आज्ञा दी ताकि यहोवा दिखाए कि किसे उसने पवित्र ठहराया है, और उन्हें अपनी धूपदानों के साथ क्या करना था?

मूसा ने कोरह और सारी मण्डली को यह आज्ञा दी कि वे अपना-अपना धूपदान ठीक करे; और कल उनमें आग रखकर यहोवा के सामने धूप देना आए, ताकि यह प्रकट हो कि यहोवा ने किसे पवित्र ठहराया है।

गिनती 16:8–9

वह कौन सी सेवकाई थी जिसे करने के लिए यहोवा ने लेवियों को इस्राएल की मण्डली से अलग किया था?

इस्राएल के परमेश्वर ने लेवियों को इस्राएल की मण्डली से अलग करके अपने निवास स्थान की सेवकाई करने, और मण्डली के सामने खड़े होकर उसकी भी सेवा टहल करने के लिये अलग किया था।

गिनती 16:10–11

जब कोरह और उसके सब लेवी भाइयों ने हारून के याजकपद के भी खोजी हो गए और बुड़बुड़ाते रहे, तब वे वास्तव में किसके विरुद्ध इकट्ठा हुए थे?

कोरह और उसके सब लेवी भाइयों ने हारून के याजकपद के भी खोजी हो गए और बुड़बुड़ाते रहे, तब वे वास्तव में यहोवा के विरुद्ध इकट्ठा हुए थे।

गिनती 16:12–13

जब मूसा ने दातान और अबीराम को बुलवा भेजा, तो उन्होंने क्या कहा, और मूसा के बारे में उन्होंने क्या कहा?

दातान और अबीराम ने कहा कि वे मूसा के पास नहीं जाएँगे। उन्होंने कहा कि मूसा उन्हें दूध और मधु की धाराओं वाले देश से जंगल में मार डालने के लिए लाया है, और वह उन पर शासन करना चाहता है।

गिनती 16:15

मूसा ने अपने बहुत भड़के हुए कोप में यहोवा से दातान और अबीराम की भेंट के बारे में क्या पूछा, और मूसा ने यह कैसे स्पष्ट किया कि उन्होंने उनसे कुछ भी नहीं लिया और न ही किसी की हानि की?

मूसा ने क्रोधित होकर यहोवा से विनती की कि वह उनकी भेंट की ओर दृष्टि न करे, और मूसा ने कहा कि उसने उनसे एक भी गदहा नहीं लिया है और न ही उनमें से किसी को नुकसान पहुंचाया है।

गिनती 16:16–17

मूसा ने ढाई सौ पुरुषों और हारून से कल क्या लाने के लिए कहा और उन्हें कहाँ ले जाने के लिए कहा?

मूसा ने हारून और उनके साथ ढाई सौ लोगों से कहा कि वे अपना-अपना धूपदान लेकर उनमें धूप देकर यहोवा के सामने ले जाने को कहा।

गिनती 16:19

जब कोरह और सारी मण्डली मूसा और हारून के विरुद्ध इकट्ठे होकर मिलापवाले तम्बू के द्वार पर खड़े हुए, तब क्या प्रकट हुआ?

जब कोरह और सारी मण्डली मूसा और हारून के विरुद्ध इकट्ठे होकर मिलापवाले तम्बू के द्वार पर खड़े हुए, तब यहोवा का तेज सारी मण्डली को दिखाई दिया।

गिनती 16:20–21

यहोवा ने मूसा और हारून से क्या करने को कहा?

यहोवा चाहता था कि मूसा और हारून उस मण्डली से अलग हो जाएं ताकि वह उनको पल भर में भस्म कर दे।

गिनती 16:22

जब सब प्राणियों के आत्माओं के परमेश्वर ने मूसा और हारून से कहा कि वे उस मण्डली से अलग हो जाएँ, तब मूसा और हारून ने क्या किया और क्या कहा?

मूसा और हारून ने मुँह के बल गिरकर सब प्राणियों के आत्माओं के परमेश्वर से पूछा कि क्या उन्हें एक पुरुष के पाप करने पर समस्त मण्डली पर क्रोधित होना चाहिए।

गिनती 16:23–24

यहोवा ने मूसा से मण्डली के लोगों से क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा, मण्डली के लोगों से कह कि कोरह, दातान, और अबीराम के तम्बुओं के आस-पास से हट जाए।

गिनती 16:25–26

जब मूसा दातान और अबीराम के पास गया और मण्डली के लोगों से कहा कि इन दुष्ट मनुष्यों के डेरों के पास से हट जाए और उनकी कोई वस्तु न छुए, तब कौन लोग मूसा के पीछे-पीछे गए?

जब मूसा दातान और अबीराम के पास गया तब इस्राएलियों के वृद्ध लोग उसके पीछे-पीछे गए, और मूसा ने मण्डली के लोगों से कहा कि इन दुष्ट मनुष्यों के डेरों के पास से हट जाए और उनकी कोई वस्तु न छुए।

गिनती 16:27

अपने डेरों से कौन लोग निकलकर अपनी पत्नियों, बेटों और बाल-बच्चों समेत अपने-अपने डेरे के द्वार पर खड़े हुए?

दातान और अबीराम निकलकर अपनी पत्नियों, बेटों, और बाल-बच्चों समेत अपने-अपने डेरे के द्वार पर खड़े हुए।

गिनती 16:28–30

लोग कैसे जानेंगे कि यहोवा ने मूसा को ये सब काम करने के लिये भेजा है, और यह सब उसने अपनी ओर से नहीं किया?

यदि उन मनुष्यों की मृत्यु और सब मनुष्यों के समान हुई थी, तो यहोवा ने मूसा को नहीं भेजा था। यदि यहोवा ने पृथ्वी का मुँह पसारकर और उन्हें निगल लिया ताकि वे जीते जी अधोलोक में जा पड़ें, तो सब लोग समझ लेंगे कि उन मनुष्यों ने यहोवा का अपमान किया है।

गिनती 16:31–32

जैसे ही मूसा कोरह और उसके सब मनुष्यों की सब बातें कह ही चुका था, तब क्या हुआ?

जैसे ही मूसा कोरह और उसके सब मनुष्यों की सब बातें कह ही चुका था कि भूमि उन लोगों के पाँव के नीचे फट गई; और पृथ्वी ने अपना मुँह खोल दिया और उनको और उनके समस्त घरबार का सामान, और कोरह के सब मनुष्यों और उनकी सारी सम्पत्ति को भी निगल लिया।

गिनती 16:33

उनके सारे घरबार के साथ क्या-क्या घटित हुआ?

उनका सारा घरबार जीवित ही अधोलोक में जा पड़े; और पृथ्वी ने उनको ढाँप लिया, और वे मण्डली के बीच में से नष्ट हो गए।

गिनती 16:34

जितने इस्राएली उनके चारों ओर थे वे क्या किया, और क्यों भयभीत हुए?

सारे इस्राएली भाग गये क्योंकि उन्हें डर था कि कहीं पृथ्वी उन्हें भी निगल न ले।

गिनती 16:35

उन ढाई सौ धूप चढ़ानेवालों के साथ क्या हुआ जिन्होंने यहोवा को धूप चढ़ाया था?

यहोवा के पास से आग निकली, और उन ढाई सौ धूप चढ़ानेवालों को भस्म कर डाला।

गिनती 16:37

यहोवा ने मूसा से कहा कि एलीआजर, जो हारून के पुत्र और याजक हैं, उनसे क्या करने के लिए कहें और इसका कारण क्या है?

यहोवा ने मूसा से कहा कि एलीआजर से कह कि उन धूपदानों को आग में से उठा ले; और आग के अंगारों को उधर ही छितरा दे, क्योंकि वे पवित्र हैं।

गिनती 16:38

मूसा ने एलीआजर से उन लोगों की धूपदानों के विषय में क्या कहा, जो अपने पाप के कारण प्राणों की हानि की है?

मूसा ने एलीआजर से उन लोगों की धूपदानों के विषय में यह कहा की धूपदानों के पत्तर पीट-पीट कर बनाए जाएँ जिससे कि वह वेदी के मढ़ने के काम आए; क्योंकि उन्होंने यहोवा के सामने रखा था; इससे वे पवित्र हैं।

गिनती 16:38 (#2)

वेदी के मढ़ने का क्या निशान ठहरेगा?

वेदी के मढ़ने इस्राएलियों के लिये यहोवा की उपस्थिति का एक निशान ठहरेगा।

गिनती 16:39-40

पीतल के धूपदान किस बात का स्मरण कराएँगे?

वे इस्राएलियों के लिये इस बात का स्मरण बने कि कोई दूसरा, जो हारून के वंश का न हो, यहोवा के सामने धूप चढ़ाने को समीप न जाए।

गिनती 16:41

दूसरे दिन इस्राएलियों की सारी मण्डली क्या कहकर मूसा और हारून पर बुड़बुड़ाने लगी?

दूसरे दिन इस्राएलियों की सारी मण्डली यह कहकर मूसा और हारून पर बुड़बुड़ाने लगी कि मूसा और हारून ने यहोवा के लोगों को मार डाला था।

गिनती 16:42

जब मण्डली के लोग मिलापवाले तम्बू की ओर दृष्टि की तो क्या हुआ?

बादल ने मिलापवाले तम्बू को छा लिया है, और यहोवा का तेज दिखाई दे रहा है।

गिनती 16:43

मूसा और हारून कहाँ गए?

मूसा और हारून मिलापवाले तम्बू के सामने गए।

गिनती 16:45

जब मूसा और हारून मिलापवाले तम्बू के सामने आए, तब यहोवा ने मूसा से क्या कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वे उस मण्डली के लोगों के बीच से हट जाए, ताकि वह मण्डली को पल भर में भस्म कर डालें।

गिनती 16:45 (#2)

जब यहोवा ने हारून और मूसा से कहा कि वे उस मण्डली के लोगों के बीच से हट जाए, तब उन्होंने क्या किया?

जब यहोवा ने हारून और मूसा से कहा कि वे उस मण्डली के लोगों के बीच से हट जाए, तब वे मुँह के बल गिरे।

गिनती 16:46

मूसा ने हारून से यहोवा के अत्यन्त भड़के हुए कोप को शांत करने के लिए मरी को रोकने के लिए क्या करने के लिए कहा?

मूसा ने हारून से कहा कि वह धूपदान ले, उसमें वेदी से आग भरे, उसमें धूप डाले, और उसे फुर्ती से लोगों के लिए मण्डली के पास ले जाए।

गिनती 16:47-48

जैसे ही मरी फैली, प्रायश्चित करने के लिए हारून कहाँ दौड़ा, और वह किनके मध्य खड़ा हुआ?

हारून धूपदान लेकर मण्डली के बीच में दौड़ा गया और यह देखकर कि लोगों में मरी फैलने लगी है, उसने धूप जलाकर लोगों के लिये प्रायश्चित किया। और वह मुर्दों और जीवित के मध्य में खड़ा हुआ; तब मरी थम गई।

गिनती 16:49

जो कोरह के संग भागी होकर मर गए थे, उन्हें छोड़, इस मरी में कितने लोग मरे?

जो कोरह के संग भागी होकर मर गए थे, उन्हें छोड़ जो लोग इस मरी से मर गए वे चौदह हजार सात सौ थे।

गिनती 16:50

जब हारून मिलापवाले तम्बू के द्वार पर मूसा के पास लौट गया, तब क्या हुआ?

जब हारून मिलापवाले तम्बू के द्वार पर मूसा के पास लौट गया, तब मरी थम गई।

गिनती 17:2

यहोवा ने इस्राएलियों से कहा कि वे उनके सब प्रधानों के पास से क्या लें और जो उन्होंने लिया है उसके साथ क्या करें?

यहोवा ने मूसा से कहा कि इस्राएलियों से बातें करके उनके पूर्वजों के घरानों के अनुसार, उनके सब प्रधानों के पास से एक-एक छड़ी ले; और उन बारह छड़ियों में से एक-एक पर एक-एक के मूलपुरुष का नाम लिखे।

गिनती 17:3

यहोवा ने मूसा को लेवियों की छड़ी पर किसका नाम लिखने की आज्ञा दिया?

यहोवा ने मूसा को लेवियों की छड़ी पर हारून का नाम लिखने की आज्ञा दिया।

गिनती 17:4

यहोवा ने मूसा को बारह छड़ियों के साथ क्या करने को कहा?

यहोवा ने मूसा को उन छड़ियों को मिलापवाले तम्बू में साक्षीपत्र के आगे रखने को कहा।

गिनती 17:4–5

यहोवा ने कहा कि जिस पुरुष को मैं चुनूँगा, उसकी छड़ी के साथ क्या होगा?

यहोवा ने कहा कि जिस पुरुष को मैं चुनूँगा उसकी छड़ी में कलियाँ फूट निकलेंगी।

गिनती 17:5

जब यहोवा द्वारा छड़ी में कलियाँ फूट निकलेंगी, तब क्या होगा?

जब यहोवा द्वारा छड़ी में कलियाँ फूट निकलेंगी, तब यहोवा इस्राएलियों द्वारा मूसा के विरुद्ध बुड़बुड़ाने को अपने ऊपर से दूर करेंगे।

गिनती 17:6

जब मूसा ने इस्राएलियों से यह बात कही, तब किसने अपनी छड़ी उसे दी?

हारून समेत सभी गोत्रों के प्रधानों ने उन्हें अपनी-अपनी छड़ियाँ दीं।

गिनती 17:8

जब मूसा साक्षीपत्र के तम्बू में गया तो किसकी छड़ी में परिवर्तन देखा और कुप्पा देखा?

जब मूसा ने यहोवा के सामने साक्षीपत्र के तम्बू में छड़ी रखी, तो हारून की छड़ी में कलियाँ फूटीं और उसमें फूल और पके बादाम निकले।

गिनती 17:9

मूसा ने उन सभी छड़ियों का क्या किया?

मूसा उन सब छड़ियों को यहोवा के सामने से निकालकर सब इस्राएलियों के पास ले गया; और उन्होंने अपनी-अपनी छड़ी पहचानकर ले ली।

गिनती 17:10

यहोवा ने मूसा से हारून की छड़ी के साथ क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा, हारून की छड़ी को साक्षीपत्र के सामने फिर रख दे।

गिनती 17:10 (#2)

यहोवा ने मूसा से, हारून की छड़ी को साक्षीपत्र के सामने फिर रखने के लिए क्यों कहा?

यहोवा ने मूसा से, हारून की छड़ी को साक्षीपत्र के सामने फिर रखने के लिए इसलिए कहा कि वह उन लोगों के विरुद्ध एक निशान हो जिन्होंने बलवा किया था, ताकि मूसा यहोवा के विरुद्ध बुड़बुड़ाने को समाप्त कर दे।

गिनती 17:12–13

इस्राएली किससे और किस लिए भयभीत थे?

इस्राएली नष्ट होने से भयभीत थे क्योंकि कोई यहोवा के निवास के तम्बू के समीप जाता है वह मारा जाता है।

गिनती 18:1

यहोवा ने किस बात के लिए कहा कि केवल हारून, उसके पुत्र और उसके पिता के घराने पर भार होगा?

यहोवा ने हारून से कहा कि वह, उसके पुत्र और उसके पिता के घराने पर पवित्रस्थान के विरुद्ध किए गए सभी अधर्म का भार होगा।

गिनती 18:1 (#2)

परमेश्वर ने किसके बारे में कहा कि याजक कर्म के विरुद्ध अधर्म का भार किस पर होगा?

याजक कर्म के विरुद्ध अधर्म का भार केवल हारून पर और उसके पुत्रों पर होगा।

गिनती 18:2

जब हारून और उनके पुत्र वाचा के तम्बू के सामने सेवा करते थे, तो कौन सा गोत्र उनकी सहायता करता था?

लेवी का गोत्र, हारून के पूर्वजों का गोत्र, वाचा के आदेशों के तंबू के सामने सेवा करते समय हारून और उनके पुत्रों की सहायता करेगा।

गिनती 18:3

हारून और सारे तम्बू की रक्षा करते समय, लेवी कहाँ नहीं जा सकते थे?

लेवी पवित्रस्थान के पात्रों के और वेदी के समीप नहीं जा सकते थे।

गिनती 18:3 (#2)

यदि लेवीय पवित्रस्थान के पात्रों के और वेदी के समीप आएँ, तो क्या होता?

यदि लेवीय पवित्रस्थान के पात्रों के और वेदी के समीप आएँ, तो वे और हारून मर जाते।

गिनती 18:4

कौन हारून के समीप न आने पाए?

जो हारून के कुल का न हो वह उन लोगों के समीप न आने पाए।

गिनती 18:4 (#2)

लेवियों को किस बात की ज़िम्मेदारी लेनी थी?

लेवियों को हारून के साथ मिलकर मिलापवाले तम्बू और उससे जुड़ी सारी सेवकाई की देखभाल करनी थी।

गिनती 18:5

हारून और उनके पुत्रों को पवित्रस्थान और वेदी की रखवाली क्यों करनी पड़ी?

हारून और उनके पुत्रों को पवित्रस्थान और वेदी की रखवाली इसलिए करनी पड़ी की फिर यहोवा का कोप इस्राएलियों पर न भड़के।

गिनती 18:6

यहोवा ने हारून और उनके पुत्रों के लिए क्या दिया और उन्होंने उन्हें क्यों दिए?

यहोवा ने लेवियों को हारून के लिए एक उपहार के रूप में चुना, जो यहोवा को मिलापवाले तम्बू से संबंधित सेवा करने के लिए दिया गया था।

गिनती 18:7

वेदी की और बीचवाले पर्दे के भीतर की बातों की सेवकाई के लिये किसे अपने याजकपद की रक्षा करना है?

केवल हारून और उनके पुत्रों को वेदी की और बीचवाले पर्दे के भीतर की बातों की सेवकाई के लिये अपने याजकपद की रक्षा करना है।

गिनती 18:7 (#2)

यदि जो कोई हारून के कुल का न हो वह पर्दे के समीप या भीतर आए तो क्या होगा?

जो कोई हारून के कुल का न हो वह पर्दे के समीप या भीतर आए तो मार डाला जाएगा।

गिनती 18:8–9

यहोवा के लिये चढ़ाई गई पवित्र भेंटों में से कौन सी वस्तुएँ हारून और उसके पुत्रों का सदा का हक़ होंगी?

इस्राएलियों द्वारा यहोवा को दी गई परम पवित्र वस्तुओं में से जो वस्तुएँ पूरी तरह से भस्म नहीं की जातीं, वे हारून और उसके पुत्रों का सदा का हक़ होंगी।

गिनती 18:9

उनके और उनके पुत्रों के लिए कौन सी भेंटें होंगी?

इस्राएलियों के सब चढ़ावों में से उनके सब अन्नबलि, सब पापबलि, और सब दोषबलि, जो वे मुझ को दें, वह तेरे और तेरे पुत्रों के लिये परमपवित्र ठहरें।

गिनती 18:10

हर एक पुरुष लेवी उन भेंटों को कैसे खा सकता है?

हर एक पुरुष लेवी उसको परमपवित्र वस्तु जानकर खा सकता है जो यहोवा के लिए विशेष रूप से अलग रखी गई थीं।

गिनती 18:11

यहोवा ने इस्राएलियों की सभी चढ़ाई हुई भेंटों में से हिलाने के लिये दी गयी भेंटों को, उनके सदा के हक़ के रूप में, किसे दिया?

यहोवा ने इस्राएलियों की सभी चढ़ाई हुई भेंटों में से हिलाने के लिये दी गयी भेंटों को, हारून के धार्मिक रीति से शुद्ध बेटे-बेटियों को उनके सदा के हक़ के रूप में दिया।

गिनती 18:12–13

हारून के परिवार को और कौन-कौन सी चीजें दी गईं?

सबसे अच्छा तेल, उत्तम से उत्तम नया दाखमधु, गेहूँ, पहली उपज, और उनके देश के सब प्रकार की पहली उपज का जो कुछ लोग यहोवा के पास लाते थे, वह सब हारून और उसके घराने के शुद्ध लोगों का होता था।

गिनती 18:15

लोगों को किससे दाम देकर छुड़ाना था?

लोगों को अपने सब पहलौठे मनुष्यों और सब अशुद्ध पशुओं के नर पहलौठों को छुड़ाना पड़ता था।

गिनती 18:16

लोगों को नर पहलौठों को कब छुड़ाना पड़ता था?

लोगों को नर पहलौठों को एक महीने भर हो जाने के बाद छुड़ाना पड़ता था।

गिनती 18:17–18

कौन से पशु छुड़ाए नहीं जाने थे, क्योंकि वे पवित्र थे और यहोवा के लिये पवित्र बलि होते थे, जिन्हें हारून और उसके पुत्र खाएँगे?

पर गाय, या भेड़ी, या बकरी के पहलौठे छुड़ाए नहीं जाने थे, क्योंकि वे पवित्र थे और यहोवा के लिये पवित्र बलि होते थे और उनका मांस हारून और उसके पुत्रों के लिए था।

गिनती 18:19

यहोवा ने हारून, उसके बेटे-बेटियों को क्या दिया, जो उनके सदा की हक़ करके होगी, क्योंकि वह भेंटें नमक की वाचा के रूप में, यहोवा के सामने हारून और उसके वंश के लिये यहोवा की सदा के लिये नमक की अटल वाचा है?

यहोवा ने पवित्र वस्तुओं की सारी भेंट हारून और उसके बेटे-बेटियों को दे दी, और यह सदा का हक़ करके एक वाचा के रूप में, अर्थात् नमक की अटल वाचा के रूप में, यहोवा के सामने हारून और हारून के वंशजों के साथ बान्धी।

गिनती 18:20

यहोवा हारून से क्यों कहते हैं कि इस्राएलियों के देश में तेरा कोई भाग न होगा, और न उनके बीच तेरा कोई अंश होगा?

यहोवा ने हारून से कहा कि इस्राएलियों के देश में उसका कोई भाग न होगा, और न उनके बीच उसका कोई अंश होगा क्योंकि यहोवा ही उनका भाग और अंश हैं।

गिनती 18:21

यहोवा ने लेवी को उनकी मिलापवाले तम्बू में सेवा के बदले में क्या निज भाग करके दिया था?

यहोवा ने कहा, मिलापवाले तम्बू की जो सेवा लेवी करते हैं उसके बदले मैं उनको इस्राएलियों का सब दशमांश उनका निज भाग करके दिया था।

गिनती 18:22

यहोवा ने किसके लिए कहा कि भविष्य में अगर लोग यहोवा के मिलापवाले तम्बू के समीप आएँगे तो मर जाएँगे?

यहोवा ने हारून से कहा कि भविष्य में इस्राएली मिलापवाले तम्बू के समीप न आएँ, ऐसा न हो कि वे मर जाएँ।

गिनती 18:27

जब लेवियों को इस्राएलियों से खलिहान में का अन्न, या रसकुण्ड में का दाखरस की उठाई हुई भेंट मिली, तो उन्होंने यहोवा को क्या भेंट दी?

लेवियों ने यहोवा को जो उठाई हुई भेंट दी, वह खलिहान में का अन्न, या रसकुण्ड में का दाखरस की उठाई हुई भेंट का दशमांश था।

गिनती 18:28

इस्राएलियों से लेवियों ने जितने दशमांश लिये, उनमें से यहोवा के लिये उठाई हुई भेंट उन्होंने किसको दी?

लेवियों ने इस्राएलियों की ओर से पाए हुए सब दशमांशों में से यहोवा के लिये उठाई हुई भेंट हारून याजक को दी।

गिनती 18:32

यदि लेवी इस्राएलियों की पवित्र की हुई वस्तुओं को अपवित्र करते, तो क्या परिणाम होता?

यदि लेवी इस्राएलियों की पवित्र की हुई वस्तुओं को अपवित्र करते, तो वे मारे जाते।

गिनती 19:2

यहोवा ने इस्राएलियों को कौन-सी व्यवस्था या विधि आज्ञा दी?

यहोवा ने इस्राएलियों को आज्ञा दी कि वे एक ऐसी लाल बछिया लाएँ जो निर्दोष हो, जिसमें कोई दोष न हो, और जिस पर कभी जूआ न रखा गया हो।

गिनती 19:3

कोई एलीआजर याजक के सामने बछिया को बलिदान करे उसके लिए एलीआजर उस बछिया को कहाँ ले जाए?

कोई एलीआजर याजक के सामने बछिया को बलिदान करे उसके लिए एलीआजर उस बछिया को छावनी से बाहर ले जाना पड़ता था।

गिनती 19:4

एलीआजर उस बछिया के लहू के साथ क्या किया?

एलीआजर याजक अपनी उँगली से उसका कुछ लहू लेकर मिलापवाले तम्बू के सामने की ओर सात बार छिड़क दे।

गिनती 19:5

दूसरे याजक उस बछिया के साथ क्या करे?

दूसरे याजक को एलीआज़र के सामने बछिया की खाल, माँस, लहू और गोबर जलाना था।

गिनती 19:6

याजक ने देवदार की लकड़ी, जूफा और लाल रंग का कपड़ा कहाँ डाला?

याजक ने देवदार की लकड़ी, जूफा, और लाल रंग का कपड़ा लेकर जलती हुई बछिया के बीच में डाला।

गिनती 19:7

एलीआजर अपने वस्त्र धोने, स्नान करने और छावनी में वापस जाने के बाद कब तक अशुद्ध रहा?

एलीआजर अपने वस्त्र धोने, स्नान करने और छावनी में वापस जाने के बाद साँझ तक अशुद्ध रहा।

गिनती 19:8

बछिया को जलाने वाला याजक जल से अपने वस्त्र धोने और स्नान करने और छावनी में वापस जाने के बाद कब तक अशुद्ध रहा?

बछिया को जलाने वाला याजक जल से अपने वस्त्र धोने और स्नान करने और छावनी में वापस जाने के बाद साँझ तक अशुद्ध रहा।

गिनती 19:9

जो कोई शुद्ध पुरुष हो वह उस बछिया की राख का क्या करे?

जो कोई शुद्ध पुरुष हो वह उस बछिया की राख बटोरकर छावनी के बाहर किसी शुद्ध स्थान में रख छोड़े।

गिनती 19:9 (#2)

उस राख का क्या हुआ जो छावनी के बाहर स्थान में छोड़ी गई थी?

ये राख इस्राएलियों की मण्डली के लिए अशुद्धता से छुड़ानेवाले जल में मिलाने के लिए रखी गई थी क्योंकि ये एक पापबलि से आई थी।

गिनती 19:10

जो मनुष्य बछिया की राख बटोरे, उसके लिए सदा की विधि क्या थी?

जो मनुष्य बछिया की राख बटोरता था वह अपने वस्त्र धोता था, और साँझ तक अशुद्ध रहता था।

गिनती 19:11

जो किसी मनुष्य के शव को छूए, वह कितने दिन तक अशुद्ध रहेगा?

जो किसी मनुष्य के शव को छूए वह सात दिन तक अशुद्ध रहेगा।

गिनती 19:12

जो कोई किसी मनुष्य के शव को छूता था, तो वह अपने आपको कैसे पावन करता था?

जो कोई किसी शव को छूता था, वह तीसरे और सातवें दिन अपने आप को पावन करता था, ताकि सातवें दिन वह शुद्ध ठहरे।

गिनती 19:12 (#2)

जो कोई किसी मनुष्य के शव को छूए, और तीसरे दिन पाप छुड़ाकर अपने आपको पावन न करे, तो उसके साथ क्या क्या होगा?

जो कोई किसी मनुष्य के शव को छूए, और तीसरे दिन पाप छुड़ाकर अपने आपको पावन न करे, तो वो सातवें दिन शुद्ध न ठहरेगा।

गिनती 19:13

जिस किसी ने मनुष्य के शव को छुआ, लेकिन खुद को पावन नहीं किया, और उस मनुष्य के साथ क्या किया जाए, और वह क्यों अशुद्ध ठहरेगा?

जो कोई किसी मनुष्य के शव को छूता और अपने आप को पावन नहीं करता, वह अशुद्ध रहेगा क्योंकि उसने यहोवा के निवास-स्थान को अशुद्ध किया है। वह मनुष्य इस्राएल से नाश किया जाएगा और उसकी अशुद्धता उसमें बनी रहेगी।

गिनती 19:14

जो मनुष्य उस डेरे में गया जिसमें कोई मर गया था, या जो वहाँ पहले से था जब कोई मर जाए, उसके साथ क्या होता था?

जो कोई मनुष्य डेरे में गया जिसमें कोई मर गया था, और जो वहाँ पहले से था जब कोई मर जाए, तो वे दोनों सात दिन तक अशुद्ध रहेंगे।

गिनती 19:15

उस डेरे में जब कोई मर जाए तो कौन-से पात्र अशुद्ध ठहरे?

उस डेरे में जब कोई मर जाए तो जो भी पात्र खुले रहते और जिन पर ढकना लगा ना हो, वे सब अशुद्ध हो जाते थे।

गिनती 19:16

मैदान में यदि कोई किसी ऐसे मनुष्य को छू ले जो तलवार से मारा गया हो, या किसी मृत शरीर को, या मनुष्य की हड्डी को, या किसी कब्र को छूआ हो, तो उसके लिए क्या व्यवस्था थी?

जो इस्राएली मैदान में तलवार से मारे हुए को, या मृत शरीर को, या मनुष्य की हड्डी को, या किसी कब्र को छूए, तो सात दिन तक वो अशुद्ध रहेगा।

गिनती 19:17

अशुद्ध मनुष्य के लिए क्या किया करे, और इसे किसमें डाला जाए?

अशुद्ध मनुष्य के लिये जलाए हुए पापबलि की राख में से कुछ लेकर पात्र में डालकर उस पर सोते का जल डाला जाए।

गिनती 19:18

किसी ने जलाए हुए पापबलि की राख के साथ क्या किया, जिसे जल के साथ एक पात्र में मिलाया गया था?

किसी शुद्ध मनुष्य को जूफा लेकर जल में डुबाकर जल को उस डेरे पर, और उन पात्रों और मनुष्यों पर छिड़कना होता था जो उस डेरे में थे जहाँ किसी की मृत्यु हुई थी। यह जल उस मनुष्य पर भी छिड़का जाता था जिसने किसी मनुष्य की हड्डी, मृत शरीर या कब्र को छुआ हो।

गिनती 19:21

जो अशुद्धता से छुड़ानेवाला जल छिड़के, वह क्या करे, और वह कितने समय तक अशुद्ध रहे?

जो अशुद्धता से छुड़ानेवाला जल छिड़के वह अपने वस्त्रों को धोए; और जो जन अशुद्धता से छुड़ानेवाला जल छूए वह भी साँझ तक अशुद्ध रहे।

गिनती 19:22

जो मनुष्य उस वस्तु को छूए जिसे अशुद्ध मनुष्य ने छुआ था, तो वह क्या ठहरे?

जो कोई भी उस अशुद्ध मनुष्य द्वारा छुई गई किसी वस्तु को छूता है, वह उस साँझ तक अशुद्ध रहेगा।

गिनती 20:1

पहले महीने में सीन नामक जंगल में कौन गए और कादेश में रहने लगे?

इस्राएल के लोग सीन नामक जंगल में गए।

गिनती 20:1 (#2)

कादेश में मिर्याम के साथ क्या हुआ?

मिर्याम कादेश में मर गई, और वहाँ उन्हें मिट्टी दी गई।

गिनती 20:2–3

ऐसा क्या हुआ कि लोगों ने मूसा और हारून के विरुद्ध झगड़ा किया?

लोगों के लिये पानी नहीं था।

गिनती 20:4

यहोवा की मण्डली के लोगों ने मूसा और हारून से क्या पूछा?

लोगों ने मूसा और हारून से पूछा कि उन्होंने उन्हें और उनके पशुओं को मरने के लिये जंगल में क्यों ले आए।

गिनती 20:5

इस सीन नामक जंगल में लोगों के पास क्या नहीं था?

लोगों के पास बीज, अंजीर, दाखलता, अनार या पीने को पानी नहीं था।

गिनती 20:6

जब मूसा और हारून मिलापवाले तम्बू के द्वार पर जाकर अपने मुँह के बल गिरे, तो उन्हें क्या दिखाई दिया?

जब वे मिलापवाले तम्बू के द्वार पर जाकर अपने मुँह के बल गिरे, तब यहोवा का तेज उनको दिखाई दिया।

गिनती 20:7–9

यहोवा ने मूसा से क्यों कहा कि वे अपनी लाठी ले, मण्डली को इकट्ठा करें और लोगों के देखते उस चट्टान से बात करें?

यहोवा ने मूसा से ऐसा करने को कहा ताकि चट्टान से लोगों और उनके पशुओं के पीने के लिये पानी निकले।

गिनती 20:10

मूसा ने चट्टान पर मारने से पहले लोगों को क्या कहा?

मूसा ने लोगों को बलवा करनेवालें कहा।

गिनती 20:10–11

जब मूसा ने अपनी लाठी से चट्टान पर दो बार मारी, तब क्या हुआ?

जब मूसा ने चट्टान पर मारी, तो चट्टान में से बहुत पानी फूट निकला और मण्डली तथा उनके पशुओं ने पानी पिया।

गिनती 20:12–13

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि उन्होंने यहोवा पर विश्वास नहीं किया और इस्राएलियों की दृष्टि में उन्हें पवित्र नहीं ठहराया, इस कारण क्या होगा?

यहोवा ने उनसे कहा कि वे लोगों की मण्डली को उस देश में नहीं पहुँचाएंगे जिसे यहोवा ने उन्हें दिया था।

गिनती 20:14–16

मूसा ने दूतों को किसके पास यह कहकर भेजा कि लोगों को क्लेशों का सामना करना पड़ा?

मूसा ने एदोम के राजा के पास दूत भेजे।

गिनती 20:17

मूसा ने एदोम के राजा से क्या पूछा कि वह लोगों को करने दे?

मूसा ने राजा से पूछा कि क्या वह इस्राएलियों को अपने देश में से होकर जाने देगा।

गिनती 20:17 (#2)

मूसा ने लोगों से क्या नहीं करने को कहा जब तक वे राजा के देश से बाहर नहीं हो जाते?

मूसा ने कहा कि वे जब तक राजा के देश से बाहर नहीं हो जाते, तब तक लोग न दाएँ न बाएँ मुड़ेंगे।

गिनती 20:18

राजा ने मूसा के पास क्या कहला भेजा?

राजा ने कहला भेजा कि इस्राएली उसके देश में से होकर नहीं जा सकते, नहीं तो वह तलवार लिये हुए उनका सामना करने को निकलेगा।

गिनती 20:19

इस्राएलियों ने एदोम के राजा को क्या कहला भेजा था?

इस्राएलियों ने कहला भेजा कि वे सड़क ही सड़क से चलेंगे, यदि उनके पशु पानी पीएँ, तो उसका दाम देंगे और उनको और कुछ नहीं, केवल पाँव-पाँव चलकर निकल जाने दे।

गिनती 20:20–21

एदोम के राजा ने इस्राएलियों को अपने देश से होकर जाने से इनकार करने के बाद क्या किया?

एदोम के राजा बड़ी सेना लेकर भुजबल से इस्राएल का सामना करने को निकल आया।

गिनती 20:21

जब एदोम के राजा ने अपने देश के भीतर से होकर जाने देने से इन्कार किया, तब इस्राएल ने क्या किया?

इस्राएल एदोम की ओर से मुड़ गए।

गिनती 20:22

जब इस्राएलियों ने कादेश से कूच किया, तब वे कहाँ गए?

इस्राएलियों ने होर नामक पहाड़ की ओर कूच किया।

गिनती 20:23–24

यहोवा ने होर नामक पहाड़ पर मूसा और हारून से उनके बलवा के परिणाम के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने उन्हें बताया कि हारून अपने लोगों में जा मिलेंगे, क्योंकि उन दोनों ने मरीबा नामक सोते पर यहोवा का कहना न मानकर उनसे बलवा किया है, इस कारण हारून उस देश में जाने न पाएगा जिसे यहोवा ने इस्राएलियों को दिया है।

गिनती 20:25

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि वे होर पहाड़ पर किसे अपने साथ लाएँ?

यहोवा ने मूसा और हारून से कहा कि वे हारून के पुत्र एलीआजर को अपने साथ होर पहाड़ पर लाएँ।

गिनती 20:26

यहोवा ने उन्हें हारून के वस्त्र उतारकर उनके पुत्र एलीआजर को पहनाने के लिये क्यों कहा?

यहोवा ने उन्हें बताया कि हारून वहीं मरकर अपने लोगों में जा मिलेंगे।

गिनती 20:27–29

जब यहोवा की इस आज्ञा के अनुसार मूसा ने किया और इस्राएल की सारी मण्डली ने देखा कि हारून के प्राण छूट गए, तो उन्होंने क्या किया?

जब इस्राएल की सारी मण्डली ने देखा कि हारून के प्राण छूट गए, तब इस्राएल के सब घराने के लोग उनके लिये तीस दिन तक रोते रहे।

गिनती 21:1

जब अराद के कनानी राजा ने सुना कि इस्राएली अथारीम के मार्ग से यात्रा कर रहे हैं, तो उसने क्या किया?

अराद के राजा इस्राएल से लड़ा और उनमें से कुछ को बन्धुआ कर लिया।

गिनती 21:2–3

इस्राएलियों ने मन्नत मानी कि यदि यहोवा उनको इस्राएलियों के वश में कर देंगे, तो अराद के राजा के नगरों का सत्यानाश कर देंगे, उस के प्रत्युत्तर में यहोवा ने क्या किया?

यहोवा ने इस्राएल की बात सुनी और कनानियों को उनके वश में कर दिया।

गिनती 21:3

उस स्थान का नाम क्या था जहाँ इस्राएलियों ने कनानियों समेत उनके नगरों का भी सत्यानाश किया?

उस स्थान का नाम होर्मा रखा गया।

गिनती 21:4

जब लोगों ने होर पहाड़ से कूच करके लाल समुद्र का मार्ग लिया कि एदोम देश से बाहर-बाहर घूमकर जाएँ, तो उनके मन को क्या हुआ?

लोगों का मन बहुत व्याकुल हो गया।

गिनती 21:5

लोग परमेश्वर और मूसा के विरुद्ध क्या बड़बड़ा रहे थे?

लोगों ने परमेश्वर और मूसा के विरुद्ध बड़बड़ाया और पूछा कि उन्हें मिस्र से जंगल में मरने के लिये क्यों लाया गया, क्योंकि उनके पास न तो रोटी थी, और न पानी, और वे इस निकम्मी रोटी से दुःखित थे।

गिनती 21:6

जब यहोवा ने लोगों के बीच तेज विषवाले साँप भेजे, तो लोगों का क्या हुआ?

साँपों ने लोगों को डसा और बहुत से इस्राएली मर गए।

गिनती 21:7

लोगों ने मूसा से क्या करने को कहा जब उन्होंने अंगीकार किया कि उन्होंने पाप किया है और यहोवा और मूसा के विरुद्ध बातें की?

लोगों ने मूसा से कहा कि वे यहोवा से प्रार्थना करे कि वे साँपों को उनसे दूर करें।

गिनती 21:8

मूसा के लोगों के लिये प्रार्थना करने के बाद यहोवा ने मूसा से क्या करने को कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि एक तेज विषवाले साँप की प्रतिमा बनवाकर खम्भे पर लटकाये।

गिनती 21:9

यदि कोई साँप का डसा हुआ हो और वह पीतल के साँप की ओर देखे तो क्या होगा?

साँप का डसा हुआ पीतल के साँप की ओर देखकर जीवित बच गया।

गिनती 21:16

लोगों को बैर में क्या मिला?

वहाँ एक कुआँ था जहाँ यहोवा ने मूसा से कहा था कि लोगों को इकट्ठा करें और यहोवा उन्हें पानी दे सके।

गिनती 21:17–18

इस्राएल ने किस विषय में गाया?

उन्होंने उस कुएँ के विषय में गाया जिसे हाकिमों ने उन्हें पानी देने के लिये खोदा था।

गिनती 21:21

इस्राएलियों ने किसके पास दूतों से यह कहला भेजा?

इस्राएलियों ने एमोरियों के राजा सीहोन के पास दूतों से यह कहला भेजा।

गिनती 21:22

इस्राएलियों के दूतों ने सीहोन से क्या विनती की?

इस्राएलियों ने विनती की कि वे उसके देश से होकर जाएँ और उसके किसी कुएँ का पानी पीए बिना सड़क ही से चलें।

गिनती 21:23

राजा ने इस्राएलियों की विनती पर क्या प्रतिक्रिया दिखाई?

राजा ने इस्राएल को अपने देश से होकर जाने से इनकार कर दिया। उसने अपनी सारी सेना इकट्ठी की और जंगल में इस्राएलियों पर हमला कर दिया।

गिनती 21:24

सीहोन के लड़ाई के प्रत्युत्तर में इस्राएल ने क्या किया?

इस्राएलियों ने सीहोन की सेना को तलवार से मार दिया और उसके देश के अधिकारी हो गए।

गिनती 21:31

इस्राएल कहाँ रहने लगे?

इस्राएल एमोरियों के देश में रहने लगे।

गिनती 21:32

मूसा ने जब याजेर नगर का भेद लेने को भेजा, तो उसके बाद क्या हुआ?

इस्राएल ने उसके गाँवों को ले लिया, और वहाँ के एमोरियों को उस देश से निकाल दिया।

गिनती 21:33

जब इस्राएल मुड़कर बाशान के मार्ग से जाने लगे तो ओग ने क्या किया?

ओग अपनी सारी सेना समेत इस्राएलियों से लड़ने को एद्रेई में निकल आया।

गिनती 21:34

यहोवा ने मूसा से ओग और उसकी सेना के विषय में क्या कहा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि ओग से मत डर क्योंकि यहोवा ने उसकी सारी सेना और देश समेत उनके हाथ में कर दिया हैं; और जैसा इस्राएलियों ने एमोरियों के राजा सीहोन के साथ किया है, वैसा ही उसके साथ भी कर।

गिनती 21:35

मूसा और इस्राएल के लोगों ने यहोवा के आज्ञा पर कैसी प्रतिक्रिया दी?

मूसा और लोगों ने ओग, उसके पुत्रों, उसकी सेना और उसके लोगों को मार दिया और उसके देश के अधिकारी हो गए।

गिनती 22:1

यरदन नदी के इस पार मोआब के अराबा में जिस स्थान पर इस्राएलियों ने डेरे खड़े किए, उसके पास कौन सा नगर था?

यरीहो नगर यरदन नदी के इस पार था, जहाँ उन्होंने डेरे खड़े किए थे।

गिनती 22:2–3

मोआब के लोग इस्राएल के लोगों से क्यों डरते थे?

मोआब के लोग इस्राएल के लोगों से डरते थे क्योंकि उन्होंने देखा कि इस्राएल ने एमोरियों से क्या-क्या किया था, और क्योंकि इस्राएली बहुत थे।

गिनती 22:4

बालाक किस देश के राजा थे?

बालाक मोआब के राजा थे।

गिनती 22:5–6

बालाक क्या चाहता था कि बिलाम मिस्र से निकली हुई जाति के साथ करे?

बालाक चाहता था कि बिलाम मिस्र से निकली हुई जाति को श्राप दे।

गिनती 22:5–6 (#2)

बालाक क्यों चाहता था कि बिलाम उस दल को श्राप दें जो मिस्र से निकल आया था?

वह चाहता था कि बिलाम उस दल को श्राप दें क्योंकि भूमि उनसे ढक लिया गया था, और अब वे उसके सामने ही आकर बस गए थे, और वे उससे अधिक बलवन्त थे।

गिनती 22:6

बालाक क्या जानता था कि बिलाम क्या कर सकता है?

बालाक जानता था कि बिलाम जिसे आशीर्वाद देगा, वह धन्य होगा, और जिसे वह श्राप देगा, वह श्रापित होगा।

गिनती 22:8

जब बिलाम ने बालाक की बातें सुनी, तब उन्होंने क्या कहा?

बिलाम ने कहा कि दूत वहाँ रात भर टिके, और जो बात यहोवा ने उनसे कहा, उसी के अनुसार वह उनको उत्तर देंगे।

गिनती 22:11

बालाक की ओर से जो लोग उसके पास आए थे, उनकी विनती के विषय में बिलाम ने यहोवा को क्या बताया?

बिलाम ने परमेश्वर से कहा कि बालाक ने उनसे इस्राएलियों को श्राप देने के लिये कहा है ताकि बालाक उनसे लड़ सके और उनको बरबस निकाल सके।

गिनती 22:12

परमेश्वर ने बिलाम से दूतों के संग जाने और इस्राएलियों को श्राप देने के विषय में क्या कहा?

परमेश्वर ने बिलाम से कहा कि वे उन लोगों के संग न जाएँ और इस्राएल के लोगों को श्राप न दें।

गिनती 22:13

भोर को बिलाम ने बालाक के हाकिमों से क्या कहा?

बिलाम ने बालाक के हाकिमों से कहा कि वे अपने देश को चले जाएँ क्योंकि यहोवा ने उन्हें उनके साथ जाने की आज्ञा नहीं दी हैं।

गिनती 22:14

हाकिमों ने बालाक के पास जाकर क्या कहा?

हाकिमों ने बालाक से कहा कि बिलाम ने उनके साथ आने से मना कर दिया हैं।

गिनती 22:17

जब बालाक ने बिलाम के पास गिनती में अधिक प्रतिष्ठित हाकिमों को भेजा, तो उसने बिलाम को अपने पास लाने के लिये क्या प्रयास किया?

बालाक ने बिलाम को बहुत अच्छा वेतन देकर, उसकी बड़ी प्रतिष्ठा करके, और जो कुछ वह उसे करने को कहे, उसे करके इस्राएल को श्राप देने के लिए राजी करने का प्रयास किया।

गिनती 22:18

बालाक के कर्मचारियों की विनती के उत्तर में बिलाम ने उनसे क्या कहा?

बिलाम ने उन्हें बताया कि वह परमेश्वर यहोवा की आज्ञा को पलट नहीं सकता, कि उसे घटाकर व बढ़ाकर माने।

गिनती 22:19

बिलाम ने बालाक के कर्मचारियों से क्यों कहा कि वे रात को वहीं टीके रहे?

बिलाम ने बालाक के कर्मचारियों से कहा कि वे रात को वहीं टीके रहे ताकि वे जान ले, कि यहोवा उनसे और क्या कहते हैं।

गिनती 22:20

जब परमेश्वर रात को बिलाम के पास आए तो उन्होंने उसे क्या करने को कहा?

जब परमेश्वर उस रात बिलाम के पास आए, तो उन्होंने बिलाम से कहा कि वह उठकर बालाक के कर्मचारियों के संग जाएँ, परन्तु जो बात परमेश्वर उनसे कहे उसी के अनुसार करें।

गिनती 22:21

बिलाम ने भोर में क्या किया?

बिलाम ने भोर को उठकर अपनी गदही पर काठी बाँधकर मोआबी हाकिमों के संग चल पड़ा।

गिनती 22:22

परमेश्वर का कोप क्यों भड़क उठा?

बिलाम उनके साथ गया उस कारण परमेश्वर का कोप भड़क उठा।

गिनती 22:22 (#2)

यहोवा के दूत ने क्या किया?

यहोवा के दूत ने बिलाम का विरोध करने के लिये मार्ग रोककर खड़ा हो गए।

गिनती 22:23

बिलाम के गदही ने मार्ग में क्या खड़ा हुआ देखा?

बिलाम की गदही ने यहोवा के दूत को हाथ में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़ा देखा।

गिनती 22:23 (#2)

जब बिलाम की गदही ने यहोवा के दूत को देखा तो उसने क्या किया, और बिलाम ने अपनी गदही के साथ क्या किया?

बिलाम की गदही मार्ग छोड़कर खेत में चली गई; बिलाम ने गदही को मारा कि वह मार्ग पर फिर आ जाए।

गिनती 22:24

जब यहोवा के दूत दाख की बारियों के बीच की गली में खड़े हुए, तो उनके दोनों ओर क्या था?

यहोवा के दूत के दोनों ओर बारी की दीवार थी।

गिनती 22:25

जब गदही ने यहोवा के दूत को गली के बीच में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़ा देखा, तो उसने क्या किया, और फिर बिलाम ने अपने गदही के इस काम पर क्या प्रतिक्रिया दी?

जब गदही ने यहोवा के दूत को देखा, तो वह दीवार से ऐसी सट गई कि बिलाम का पाँव दीवार से दब दिया; तब बिलाम ने उसे फिर से मारा।

गिनती 22:27

जब गदही ने यहोवा के दूत को आगे बढ़कर एक सकरे स्थान पर खड़ा हुआ देखा, जहाँ न तो दाहिनी ओर हटने की जगह थी और न बाईं ओर, तो उसने क्या किया, और बिलाम ने क्या किया?

गदही बिलाम को लिये हुए बैठ गई; बिलाम ने गदही को लाठी से मारा।

गिनती 22:28

जब यहोवा ने गदही का मुँह खोल दिया ताकि वह बात कर सके, तब उसने बिलाम से क्या पूछा?

गदही ने बिलाम से पूछा कि उसने उनका क्या किया था कि उन्होंने उसे तीन बार मारा।

गिनती 22:29

बिलाम ने गदही से क्या कहा, और वह उसके साथ क्या करना चाहते थे?

बिलाम ने गदही से कहा कि उन्होंने उसे इसलिए मारा क्योंकि उसने नटखटी की, और वह चाहते थे कि उनके हाथ में एक तलवार होती ताकि वह उसे मार डालते।

गिनती 22:31

जब यहोवा ने बिलाम की आँखें खोलीं, तो उन्होंने क्या देखा और क्या किया?

बिलाम ने देखा कि यहोवा का दूत हाथ में नंगी तलवार लिये हुए मार्ग में खड़े हैं; तब वे झुक गए, और मुँह के बल गिरकर दण्डवत् किया।

गिनती 22:32–33

यहोवा के दूत ने बिलाम को यह क्यों बताया कि उनकी गदही ने ऐसा व्यवहार क्यों किया?

दूत ने बिलाम से कहा कि जब उसकी गदही ने दूत को देखा, तो वह उनके (दूत) सामने से तीन बार हट गई।

गिनती 22:33

दूत ने कहा कि यदि बिलाम का गदही हट न जाती, तो उनके साथ क्या होता?

दूत ने बिलाम से कहा कि यदि उनकी गदही दूत के सामने से हट न जाती, तो दूत बिलाम को मार डालते और गदही को जीवित छोड़ देते।

गिनती 22:34

बिलाम ने दूत के सामने क्या अंगीकार किया, और उन्होंने क्या करने का प्रयास किया?

बिलाम ने अंगीकार किया कि उन्होंने पाप किया है और उन्होंने लौट जाने का प्रयास किया।

गिनती 22:35

दूत ने बिलाम को क्या उत्तर दिया?

दूत ने उत्तर दिया कि बिलाम को इन पुरुषों के संग चले जाना चाहिए, परन्तु केवल वही बात कहे जो दूत उनसे कहेंगे।

गिनती 22:36

जब बालाक ने सुना कि बिलाम आ रहे हैं, तो उसने क्या किया?

बालाक बिलाम से भेंट करने को गया।

गिनती 22:37

जब बालाक ने बिलाम से मोआब के उस नगर तक जो उस देश के अर्नोनवाले सीमा पर भेंट की, तो उसने उनसे क्या पूछा?

बालाक ने बिलाम से पूछा कि जब उसने बुलवा भेजा था, तो वह क्यों नहीं चला आया, और और क्या बिलाम को नहीं लगता था कि बालाक उसका प्रतिष्ठा करने के योग्य है।

गिनती 22:38

बिलाम ने बालाक से क्या कहा जो वह केवल कह सकता था?

बिलाम ने बालाक से कहा कि वह वही बात कह सकते हैं जो परमेश्वर उनके मुँह में डाले।

गिनती 22:39–40

जब बालाक और बिलाम किर्यथूसोत तक आए, तब बालाक ने क्या किया?

जब वे किर्यथूसोत तक आए, बालाक ने बैल और भेड़-बकरियों को बलि किया, और बिलाम और उसके साथ के हाकिमों के पास भेजा।

गिनती 22:41

जब बालाक बिलाम को बाल के ऊँचे स्थानों के पास ले गया तो वह क्या देख सका?

बिलाम को वहाँ से सब इस्राएली लोग दिखाई पड़े।

गिनती 23:1

भविष्यद्वक्ता बिलाम ने राजा बालाक से क्या करने को कहा?

बिलाम ने बालाक से कहा कि वे उनके लिये सात वेदियाँ बनवाएँ और सात बछड़े और सात मेढ़े तैयार करें।

गिनती 23:2

बालाक ने बिलाम के कहे अनुसार क्या किया?

बालाक ने बिलाम के कहने के अनुसार किया, और उन्होंने मिलकर प्रत्येक वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया।

गिनती 23:3

बिलाम ने बालाक से क्या कहा कि जब बिलाम जाए तो यहोवा क्या कर सकते हैं?

बिलाम ने बालाक से कहा कि यहोवा उनसे भेंट करने को आ सकते हैं; और जो कुछ यहोवा उन पर प्रगट करेंगे वही बालाक को बताएँगे।

गिनती 23:5

यहोवा ने बिलाम से क्या करने को कहा?

यहोवा ने बिलाम से कहा कि वह बालाक के पास लौटकर उसे सन्देश सुनाए।

गिनती 23:7–8

परमेश्वर ने दिए सन्देश के पहले भाग में बिलाम ने कौन से दो प्रश्न पूछे?

बिलाम ने पूछा, "जिन्हें परमेश्वर ने श्राप नहीं दिया उन्हें मैं क्यों श्राप दूँ? जिन्हें यहोवा ने धमकी नहीं दी उन्हें मैं कैसे धमकी दूँ?"

गिनती 23:9

बिलाम ने इस्राएल के विषय में क्या कहा कि वे कैसे गिनी जाएगी?

बिलाम ने कहा कि इस्राएल अपने आप को एक साधारण जाति नहीं मानती।

गिनती 23:10

बिलाम ने इस्राएल की गिनती के विषय में क्या कहा?

उन्होंने कहा कि कोई भी इस्राएल की चौथाई की गिनती नहीं ले सकता है।

गिनती 23:10 (#2)

बिलाम किस प्रकार की मृत्यु चाहते थे?

बिलाम एक धर्मियों की सी मृत्यु, और उनका अन्त भी इस्राएल के समान हो चाहते थे।

गिनती 23:11

बालाक ने क्या कहा कि बिलाम ने अपने शत्रुओं को श्राप देने के बदले क्या किया?

बालाक ने कहा कि बिलाम ने उसके शत्रुओं को श्राप देने के बदले उन्हें आशीष दिया।

गिनती 23:12

जब बालाक ने कहा कि उन्होंने उसके शत्रुओं को श्राप देने के बदले आशीष दिया है, तो बिलाम ने क्या कहा?

बिलाम ने कहा कि वह जो बात यहोवा ने उन्हें सिखलाई, उसी को सावधानी से बोले।

गिनती 23:13

जब बालाक बिलाम को दूसरे स्थान पर ले गया, जहाँ से वह केवल बाहरवालों को देख सकता था, तो बालाक उनसे क्या करवाना चाहता था?

बालाक चाहता था कि बिलाम बालाक के शत्रुओं को श्राप दे।

गिनती 23:14

बालाक बिलाम को कहाँ ले गया, और वहाँ उसने क्या किया?

बालाक बिलाम को पिसगा के सिरे पर ले गया, और वहाँ सात वेदियाँ बनवाकर प्रत्येक पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया।

गिनती 23:15

जब बालाक होमबलि के पास खड़ा था, तब बिलाम ने बालाक से क्या कहा कि वह क्या करने जा रहा है?

बिलाम ने कहा कि वे यहोवा से भेंट करने जा रहे हैं।

गिनती 23:19

यहोवा ने बिलाम के मुँह में कौन सी बात डाली?

बिलाम ने कहा कि परमेश्वर झूठ नहीं बोलते और वे अपनी इच्छा नहीं बदलते है।

गिनती 23:20

बिलाम ने क्या कहा कि वह इस्राएल को आशीष देने की परमेश्वर की आज्ञा के विषय में कुछ नहीं कर सकते थे?

बिलाम ने कहा कि वह परमेश्वर के इस्राएल को आशीष देने की आज्ञा को पलट नहीं सकते है।

गिनती 23:21

बिलाम ने कहा कि इस्राएलियों के संग कौन थे?

बिलाम ने कहा कि परमेश्वर यहोवा इस्राएलियों के संग हैं।

गिनती 23:22

बिलाम ने कहा कि परमेश्वर का बल किसके समान है?

उन्होंने कहा कि परमेश्वर का बल जंगली साँड़ के समान है।

गिनती 23:23

कौन सी बातें इस्राएल पर चल नहीं सकती और न ही अर्थ रखता है?

मंत्र और भावी कहना इस्राएल पर नहीं चल सकती और न ही अर्थ रखता है।

गिनती 23:23 (#2)

याकूब और इस्राएल के विषय में अब क्या कहा जाएगा?

अब यह कहा जाएगा, कि परमेश्वर ने क्या ही विचित्र काम किया है।

गिनती 23:24

बिलाम ने इस्राएल के लोगों का वर्णन कैसे किया?

इस्राएल के लोग सिंह के समान थे, जो खड़े हुए और अपने शिकार को खा जाते थे।

गिनती 23:25

बिलाम की भविष्यवाणी देने के बाद बालाक ने बिलाम से क्या कहा?

बालाक ने बिलाम से कहा कि उन्हें इस्राएलियों को न तो श्राप देना चाहिए और न ही आशीष देना चाहिए।

गिनती 23:26

बिलाम ने बालाक से क्या कहा कि उन्हें वही करना पड़ेगा?

बिलाम ने बालाक से कहा कि जो कुछ यहोवा उनसे कहेंगे, वही उन्हें करना पड़ेगा।

गिनती 23:27

बालाक ने क्या सोचा कि यदि वह बिलाम को दूसरे स्थान पर ले जाए तो वह क्या कर पाएगा?

बालाक ने सोचा कि सम्भव है कि परमेश्वर की यह इच्छा हो कि बिलाम दूसरे स्थान से इस्राएलियों को श्राप दे।

गिनती 23:28

तब बालाक बिलाम को कहाँ ले गया?

बालाक बिलाम को पोर के सिरे पर ले गया।

गिनती 23:29–30

इस समय बिलाम ने बालाक को क्या करने को कहा और बालाक ने क्या किया?

बिलाम ने बालाक से सात वेदियाँ बनाने को कहा, और बिलाम के कहने के अनुसार बालाक ने प्रत्येक वेदी पर एक बछड़ा और एक मेढ़ा चढ़ाया।

गिनती 24:1

जब बिलाम भविष्यद्वक्ता ने देखा कि यहोवा इस्राएल को आशीष ही दिलाना चाहते हैं, तो उन्होंने क्या नहीं किया?

बिलाम शकुन देखने को न गया, परन्तु अपना मुँह जंगल की ओर कर लिया।

गिनती 24:2–3

जब बिलाम ने आँखें उठाई, और इस्राएलियों को अपने गोत्र-गोत्र के अनुसार बसे हुए देखा, तो क्या हुआ?

जब बिलाम ने आँखें उठाईं और इस्राएलियों को बसे हुए देखा, तो परमेश्वर का आत्मा बिलाम पर उतरा और उसे एक भविष्यवाणी प्राप्त हुई।

गिनती 24:4

जब बिलाम ने सर्वशक्तिमान का दर्शन पाया तो उन्होंने क्या किया?

बिलाम ने आँखें खोलकर दण्डवत् किया।

गिनती 24:5

बिलाम ने याकूब के डेरे के विषय में क्या कहा?

बिलाम ने कहा कि याकूब के डेरे मनभावने हैं।

गिनती 24:6

बिलाम ने उस निवास-स्थान की सुन्दरता का वर्णन कैसे किया जहाँ इस्राएल रहते थे?

बिलाम ने घाटियों के समान और नदी के तट की वाटिकाओं के समान, जैसे कि यहोवा के लगाए हुए अगर के वृक्ष, और जल के निकट के देवदारू के समान वर्णन किया है।

गिनती 24:7

परमेश्वर ने इस्राएल को उस देश में क्या आशीष दी जिसमें वे रहते थे?

परमेश्वर ने इस्राएल को उमड़ते हुए जल का आशीष दिया जो उनके द्वारा बोये गये बीजों को भी सींचेगा।

गिनती 24:7 (#2)

इस्राएल के राज्य का क्या होगा?

उनका राज्य बढ़ता ही जाएगा।

गिनती 24:8

परमेश्वर ने अपने लोगों को किस स्थान से निकाल ले आए?

परमेश्वर ने अपने लोगों को मिस्र में से निकाल ले आए।

गिनती 24:8 (#2)

बिलाम ने परमेश्वर के बल के विषय में क्या कहा?

बिलाम ने कहा कि परमेश्वर जंगली साँड़ के समान बल रखते हैं।

गिनती 24:8 (#3)

जाति-जाति के लोगों का क्या होगा जो इस्राएल के द्रोही होंगे?

बिलाम ने कहा कि इस्राएल उन जाति-जाति के लोग जो उनके द्रोही होंगे उनको वह खा जाएँगे, और उनकी हड्डियों को टुकड़े-टुकड़े करेंगे, और अपने तीरों से उनको बेधेंगे।

गिनती 24:9

बिलाम ने क्या भविष्यवाणी की कि इस्राएल को आशीर्वाद देने वालों या श्राप देने वालों का क्या होगा?

जो इस्राएल को आशीर्वाद देंगे, वे आशीष पाएँगे और जो इस्राएल को श्राप देंगे, वे श्रापित होंगे।

गिनती 24:10

बालाक का कोप बिलाम पर कैसे भड़क उठा?

बालाक ने कोप में अपने हाथ पर हाथ पटका।

गिनती 24:11

बालाक ने पूछा कि बिलाम को प्रतिष्ठा पाने से किसने रोका?

बालाक ने कहा कि यहोवा ने बिलाम को प्रतिष्ठा पाने से रोका है।

गिनती 24:13

बिलाम ने बालाक से कहा कि यदि बालाक उनके घर को सोने चाँदी से भर दे, तो भी वह अपने मन से क्या नहीं कर सकते?

बिलाम ने बालाक से कहा कि वह यहोवा की आज्ञा तोड़कर अपने मन से न तो भला कर सकते हैं और न बुरा।

गिनती 24:13 (#2)

बिलाम ने क्या कहा कि वह वही कह सकते थे?

बिलाम ने कहा कि वह जो कुछ यहोवा ने उनसे कहा है वही वह कह सकते हैं।

गिनती 24:14

अपने लोगों के पास लौटने से पहले बिलाम ने बालाक को किस विषय में चेतावनी दी?

बिलाम ने बालाक को चेतावनी दी कि आनेवाले दिनों में इस्राएल बालाक की प्रजा से क्या-क्या करनेवाले थे।

गिनती 24:16

बिलाम ने कहा कि उनकी भविष्यवाणी, वचन, ज्ञान और दर्शन किससे पाए?

बिलाम ने कहा कि उनकी भविष्यवाणी, वचन, ज्ञान, और दर्शन परमेश्वर, परमप्रधान, सर्वशक्तिमान से पाए।

गिनती 24:17

बिलाम ने कहा कि याकूब से क्या उदय होगा और इस्राएल से क्या उठेगा?

बिलाम ने कहा कि याकूब में से एक तारा उदय होगा, और इस्राएल में से एक राजदण्ड उठेगा।

गिनती 24:17 (#2)

बिलाम ने कहा कि वह तारा और राजदण्ड मोआब की सीमाओं और शेत के पुत्रों के साथ क्या करेगा?

बिलाम ने कहा कि वह तारा और राजदण्ड मोआब की सीमाओं को चूर कर देगा और सब शेत के पुत्रों का नाश कर देगा।

गिनती 24:18

जब इस्राएल उन पर वीरता दिखाता जाएगा तब एदोम और सेईर का क्या होगा?

एदोम और सेईर इस्राएल के वश में पड़ेंगे, और इस्राएल उन पर वीरता दिखाता जाएगा।

गिनती 24:19

याकूब में से कौन आएँगे और वह क्या करेंगे?

याकूब में से एक अधिपति आएँगे जो प्रभुता करेंगे और वह नगर में से बचे हुओं को भी सत्यानाश करेंगे।

गिनती 24:20

अन्यजातियों में श्रेष्ठ अमालेक का क्या होगा?

अन्यजातियों में श्रेष्ठ, अमालेक का अन्त विनाश ही होगा।

गिनती 24:21–22

बिलाम ने भविष्यवाणी की कि केन और केनियों का क्या होगा, जिनका निवास-स्थान अति दृढ़ और बसेरा चट्टान था?

केन उजड़ जाएगा जब अश्शूर उन्हें बन्दी बनाकर ले जाएगा।

गिनती 24:24

कित्तियों के पास से क्या आएगा जो अश्शूर को और एबेर को भी दुःख देगा, और फिर उनका क्या होगा?

कित्तियों के पास से जहाज वाले आकर अश्शूर को और एबेर को भी दुःख देंगे; और अन्त में उसका भी विनाश हो जाएगा।

गिनती 24:25

जब बिलाम ने अपनी अन्तिम भविष्यवाणी पूरी की, तो उन्होंने क्या किया और बालाक ने क्या किया?

बिलाम चल दिए, और अपने स्थान पर लौट गए। और बालाक ने भी अपना मार्ग लिया।

गिनती 25:1–2

यहोवा का क्रोध इस्राएल के खिलाफ क्यों भड़क उठा?

पुरुषों ने मोआबी स्त्रियों के संग कुकर्म करना शुरू कर दिया और लोग उनके देवताओं के यज्ञों में खाने लगे तथा मोआबी देवताओं के सामने दण्डवत् करने लगे।

गिनती 25:4

यहोवा ने मूसा से इस्राएल के उन प्रधानों के साथ क्या करने को कहा जो पोर के बाल देवता की आराधना करते थे?

यहोवा ने मूसा से कहा कि वह उन सभी इस्राएली प्रधानों को मार डाले जो पोर के बाल की आराधना में शामिल हो गए थे और उन अगुवों को यहोवा के सामने लटका दे।

गिनती 25:6

जब एक व्यक्ति अपने परिवार में एक मिद्यानी स्त्री को लेकर आया, तब इस्राएलियों की सारी मण्डली कहाँ थी?

जब एक व्यक्ति अपने परिवार में से एक मिद्यानी स्त्री को ले आया, तो इस्राएल की सारी मण्डली मिलापवाले तम्बू के द्वार पर रो रही थी।

गिनती 25:7

जब पीनहास, एलीआजर के पुत्र ने इस्राएली पुरुष और मिद्यानी स्त्री को देखा, तो उसने क्या किया?

जब पीनहास ने इस्राएली पुरुष और मिद्यानी स्त्री को देखा, तब वह मण्डली के बीच में से उठ खड़ा हुआ और अपने हाथ में एक बरछी ली।

गिनती 25:8

उस इस्राएली का क्या हुआ जो मूसा के सामने एक मिद्यानी स्त्री को छावनी में ले आया था?

पीनहास याजक ने एक बरछी ली और उसे पुरुष और स्त्री दोनों के शरीर में बेध दिया।

गिनती 25:8–9

परमेश्वर ने उन्हें मोआबी स्त्रियों के साथ सम्बन्ध रखने और पोर के बाल देवता की आराधना करने से रोकने के लिए क्या किया, और कितने लोग मारे गए?

परमेश्वर ने एक मरी भेजी जिससे मरने वालों की संख्या चौबीस हजार हो गई।

गिनती 25:11

यहोवा का क्रोध इस्राएल के लोगों से क्यों दूर हो गया?

यहोवा का क्रोध दूर हो गया क्योंकि पीनहास को यहोवा की जैसी जलन उठी।

गिनती 25:12

यहोवा ने अपने अनन्त याजकत्व की वाचा में पहला नाम क्या रखा?

यहोवा ने अपनी अनन्त याजकत्व की वाचा को शान्ति की वाचा कहा।

गिनती 25:13

यहोवा ने पीनहास के साथ सदा के याजकपद की वाचा क्यों बाँधी?

यहोवा ने पीनहास के साथ वाचा बाँधी क्योंकि वह यहोवा के लिये जलन रखता था और उसने इस्राएल के लोगों के लिए प्रायश्चित किया था।

गिनती 25:17–18

यहोवा ने मूसा से मिद्यानियों को शत्रु समझकर उन पर आक्रमण करने को क्यों कहा?

परमेश्वर ने मूसा से कहा कि वह मिद्यानियों के साथ शत्रु जैसा व्यवहार करे और उन पर आक्रमण करे, क्योंकि उन्होंने अपने छल से इस्राएलियों के साथ शत्रु जैसा व्यवहार किया था।

गिनती 25:18

यहोवा ने कोजबी के बारे में क्या कहा, जो मिद्यान के एक प्रधान की बेटी थी और मरी के दिन मारी गई थी?

उन्होंने कोजबी को जो मिद्यान के एक प्रधान की बेटी थी और मरी के दिन मारी गई थी, उनकी बहन करके बताया।

गिनती 26:2

यहोवा ने मूसा और एलीआजर से मरी के बाद क्या करने के लिए कहा?

यहोवा ने उनसे कहा कि वे इस्राएल के उन सभी लोगों की गिनती करें जो बीस वर्ष या उससे अधिक आयु के हैं और अपने गोत्रों के अनुसार युद्ध में जाने के योग्य हैं।

गिनती 26:4

मूसा और एलीआजर ने लोगों से क्या कहा जो यहोवा ने उन्हें करने की आज्ञा दी थी?

उन्होंने लोगों से कहा कि उन्हें 20 वर्ष और उससे अधिक आयु के उन लोगों की गिनती करनी होगी, जो मिस्र देश से निकल आए थे।

गिनती 26:5

इस्राएल का जेठा कौन था?

इस्राएल का जेठा रूबेन था।

गिनती 26:7

रूबेनवाले कुल में कितने पुरुष थे?

रूबेनवाले कुल की संख्या तैंतालीस हजार सात सौ तीस पुरुष थी।

गिनती 26:9

एलीआब के पुत्र कौन थे, जो रूबेन के वंशज थे, और उनके पुत्रों ने क्या किया?

एलीआब के पुत्र नमूएल, दातान और अबीराम थे। दातान और अबीराम ने कोरह का अनुसरण करते हुए यहोवा के विरुद्ध विद्रोह किया था, जिन्होंने मूसा और हारून से झगड़ा किया था।

गिनती 26:10

कोरह के पीछे चले लोगों के साथ ऐसा क्या हुआ जो एक चेतावनी चिन्ह बन गया?

पृथ्वी ने मुँह खोलकर उन्हें निगल लिया और आग ने ढाई सौ मनुष्यों को भस्म कर दिया।

गिनती 26:11

किसका वंश समाप्त नहीं हुआ?

कोरह का वंश समाप्त नहीं हुआ।

गिनती 26:14

इस्राएल के पुत्रों में अगला नाम किसका था, और उनके वंशजों की संख्या कितनी थी?

शिमोनवाले कुल इस्राएल के पुत्रों में अगले थे; उनकी कुल संख्या बाईस हजार दो सौ पुरुष थी।

गिनती 26:18

गाद के पुरुष वंशजों की संख्या कितनी थी?

गाद के पुरुष वंशजों की संख्या साढ़े चालीस हजार थी।

गिनती 26:19

यहूदा के पुत्रों, एर और ओनान के साथ क्या हुआ था?

वे कनान देश में मर गए।

गिनती 26:22

यहूदा के अन्य वंशजों में कितने पुरुष थे?

यहूदा के अन्य वंशजों की संख्या साढ़े छिहत्तर हजार पुरुषों की थी।

गिनती 26:25

इस्साकार के वंशजों के कुलों के पुरुषों की संख्या कितनी थी?

इस्साकार के वंशजों के कुलों के पुरुषों की संख्या चौसठ हजार तीन सौ थी।

गिनती 26:27

जबूलून के वंशजों में पुरुषों की संख्या कितनी थी?

जबूलून के वंशजों में पुरुषों की संख्या साढ़े साठ हजार थी।

गिनती 26:28

यूसुफ के पुत्र कौन थे?

मनश्शे और एप्रैम यूसुफ के पुत्र थे।

गिनती 26:33

हेपेर के पुत्र सलोफाद के कोई बेटा न होने पर भी उसकी कितनी बेटियाँ थीं?

हेपेर के पुत्र सलोफाद का कोई बेटा नहीं था और उसकी पाँच बेटियाँ थीं।

गिनती 26:34

मनश्शे के वंशजों में से कितने पुरुष आए थे?

मनश्शे के वंशजों से आए पुरुषों की संख्या बावन हजार सात सौ थी।

गिनती 26:37

एप्रैम के वंशजों से कितने पुरुष आए थे?

एप्रैम के वंशजों से आए पुरुषों की संख्या साढ़े बत्तीस हजार थी।

गिनती 26:41

बिन्यामीन के कुलों से कितने पुरुष आए थे?

बिन्यामीन के कुलों से आए पुरुषों की संख्या पैंतालीस हजार छः सौ थी।

गिनती 26:43

दान के कुलों से कितने पुरुष आए?

दान के कुलों से आने वाले पुरुषों की संख्या चौसठ हजार चार सौ थी।

गिनती 26:47

आशेर के कुलों में से कितने पुरुष आए थे?

आशेर के कुलों से आए पुरुषों की संख्या तिरपन हजार चार सौ थी।

गिनती 26:50

नप्ताली के कुलों में से कितने पुरुषों की गिनती की गई?

नप्ताली के कुलों से आए पुरुषों की संख्या पैंतालीस हजार चार सौ थी।

गिनती 26:51

इस्राएल के लोगों में पुरुषों की कुल संख्या कितनी थी?

इस्राएल के लोगों में पुरुषों की कुल संख्या छः लाख एक हजार सात सौ तीस थी।

गिनती 26:53

यहोवा ने कैसे कहा कि भूमि का विभाजन होगा?

यहोवा ने कहा कि उन लोगों के बीच भूमि को उनके नामों की संख्या के अनुसार उनके भाग के रूप में बाँट दिया जाए।

गिनती 26:54

किसे भाग में अधिक भूमि मिलेगी और किसे कम?

जिन कुलों की संख्या अधिक थी उन्हें अधिक भाग दिया जाएगा तथा जिन कुलों की संख्या कम थी उन्हें कम भाग दिया जाएगा।

गिनती 26:55

देश को बाँटने के लिये किस तरीके का उपयोग किया जाएगा?

देश को उनके पितरों के गोत्रों के बीच चिट्ठी डालकर बाँटा जाएगा।

गिनती 26:57

गेर्शोन, कहात, और मरारी किस कुल में से थे?

गेर्शोन, कहात, और मरारी लेवियों के कुल में से थे।

गिनती 26:58

लिब्नी, हेब्रोनी, महली, मुशी, और कोरह के वंशज किस कुल से थे?

लिब्नी, हेब्रोनी, महली, मुशी, और कोरह के वंशज लेवियों के कुल में से थे।

गिनती 26:58 (#2)

अम्राम का पूर्वज कौन था?

अम्राम का पूर्वज कहात था।

गिनती 26:59

अम्राम और योकेबेद के बच्चे कौन थे, जो लेवी के वंशज थे और मिस्र में उत्पन्न हुए थे?

उनके बच्चे हारून, मूसा, और उनकी बहन मिर्याम थीं।

गिनती 26:60

नादाब, अबीहू, एलीआजर, और ईतामार के पिता कौन थे?

नादाब, अबीहू, एलीआजर, और ईतामार के पिता हारून थे।

गिनती 26:61

नादाब और अबीहू के साथ क्या हुआ और वे क्यों मरे?

नादाब और अबीहू तब मर गये जब उन्होंने यहोवा के सामने ऊपरी आग ले गए।

गिनती 26:62

एक महीने और उससे अधिक आयु के लेवियों की पुरुषों की संख्या कितनी थी?

लेवियों में से एक महीने या उससे अधिक आयु के पुरुषों की संख्या तेईस हजार थी।

गिनती 26:62 (#2)

इस्राएल के वंशजों में एक महीने या उससे अधिक उम्र के पुरुषों की गिनती क्यों नहीं की गई?

एक महीने और उससे अधिक उम्र के पुरुषों को इस्राएल के वंशजों में नहीं गिना गया क्योंकि उनके पास इस्राएल के लोगों के बीच देश का कोई भाग नहीं था।

गिनती 26:63

मूसा और एलीआजर याजक ने इस्राएलियों की गिनती कहाँ की?

मूसा और एलीआजर ने इस्राएलियों की गिनती मोआब के मैदानों में यरदन के पास यरीहो में की।

गिनती 26:64

जब मूसा और हारून याजक ने सीनै के जंगल में इस्राएल के वंशजों की गिनती की थी, तब कितने पुरुष पाए गए थे?

जब इस्राएल के वंशजों की गिनती सीनै के जंगल में हुई थी, तब मूसा और हारून द्वारा गिने गए किसी भी पुरुष की गिनती नहीं की गई थी।

गिनती 26:65

मूसा और हारून इन वंशजों की गिनती क्यों नहीं कर सके?

यहोवा ने कहा था कि कालेब और यहोशू को छोड़कर बाकी सभी लोग निश्चय जंगल में मर जाएँगे।

गिनती 27:3

सलोफाद की जंगल में मृत्यु क्यों हुई?

सलोफाद जंगल में इसलिए नहीं मरा क्योंकि वह कोरह की मण्डली में यहोवा के विरुद्ध इकट्ठा होने वालों में से था, बल्कि वह अपने पाप के कारण मरा।

गिनती 27:4

सलोफाद की बेटियों ने मूसा से क्या माँगा?

सलोफाद की बेटियों ने मूसा से अनुरोध किया कि वह उनके चाचाओं के बीच उन्हें भी कुछ भूमि निज भाग करके दे।

गिनती 27:8

यहोवा ने क्या कहा कि यदि कोई मनुष्य बिना पुत्र के मर जाए तो उसके भाग का क्या होगा?

जब कोई मनुष्य बिना पुत्र के मर जाता है, तो उसका भाग उसकी बेटी को मिलना चाहिए।

गिनती 27:9

यदि किसी व्यक्ति की मृत्यु हो जाए और उसके कोई पुत्र या पुत्री न हो, तो उसका भाग आगे किसे मिलेगा?

यदि किसी व्यक्ति के कोई पुत्र या पुत्री न हो, तो उसका भाग उसके भाइयों को मिलता था।

गिनती 27:12–14

मूसा को मण्डली के साथ क्यों इकट्ठा होना था, बजाय उस देश में जाने के जो यहोवा ने उन्हें दिया था?

मूसा को मण्डली के साथ इकट्ठा होना था क्योंकि उसने और हारून ने यहोवा की आज्ञा के खिलाफ बलवा किया था जब उसने क्रोध में चट्टान पर मारा था।

गिनती 27:15–17

मूसा ने यहोवा से मण्डली पर एक पुरुष को नियुक्त करने के लिए क्यों कहा?

मूसा ने यहोवा से मण्डली के ऊपर एक पुरुष को नियुक्त करने की विनती की ताकि वे बिना चरवाहे की भेड़-बकरियों के समान न रहे।

गिनती 27:18–19

यहोवा ने मूसा को नून के पुत्र यहोशू पर अपना हाथ रखने की आज्ञा क्यों दी?

यहोवा ने मूसा को यहोशू को चुनने की आज्ञा दी क्योंकि वह एक ऐसा व्यक्ति था जिसमें यहोवा का आत्मा बसा था।

गिनती 27:20–21

यहोवा ने मूसा को यहोशू को कितना अधिकार देने की आज्ञा दी?

मूसा को यहोशू को यह अधिकार देना था कि वह ऊरीम के निर्णयों के द्वारा यहोवा की इच्छा जाने और समस्त इस्राएल को उनकी आज्ञा मानने का आदेश दे।

गिनती 27:22–23

मूसा ने यहोवा के आदेश का पालन कैसे किया?

मूसा ने यहोशू को एलीआजर याजक और सारी मण्डली के सामने खड़ा किया और उस पर हाथ रखकर उसे आज्ञा दी कि वह यहोवा के निर्देशानुसार अगुवाई करे।

गिनती 28:2

यहोवा ने क्या कहा कि उनके लिए चढ़ावे ने क्या उत्पन्न किया?

यहोवा ने कहा कि चढ़ावों से उनके लिए एक सुखदायक सुगन्ध उत्पन्न करी।

गिनती 28:3–4

कौन से दो पशु, एक भोर और एक साँझ, हर दिन नित्य होमबलि में चढ़ाए जाने थे?

भोर और साँझ की नित्य होमबलि के लिए बलिदान के रूप में निर्दोष भेड़ी के नर बच्चे होने चाहिए थे।

गिनती 28:5

नित्य होमबलि के साथ और क्या चढ़ाना चाहिए था?

उन्हें एक एपा के दसवें अंश के बराबर मैदे को एक चौथाई हीन कूटकर निकले हुए तेल के साथ मिलाकर अन्नबलि के रूप में चढ़ाना पड़ा।

गिनती 28:7–8

यहोवा के लिए वह अर्घ क्या था जिसे नित्य होमबलि के साथ जोड़ा जाता था और वे उसके साथ क्या करते थे?

इन बलिदानों में एक चौथाई हीन मदिरा मिलानी होती थी और उसे पवित्रस्थान में चढ़ाना होता था।

गिनती 28:9–10

विश्रामदिन में क्या चढ़ाया जाता था?

विश्रामदिन में एक-एक वर्ष के दो निर्दोष भेड़ के नर बच्चे, तेल से सना हुआ मैदा, और अर्घ चढ़ाना होता था।

गिनती 28:11

प्रतिमाह आरम्भ में कौन-से विशेष पशु होमबलि चढ़ाए जाते थे?

महीने के आरम्भ में दो बछड़े, एक मेढ़ा, और एक-एक वर्ष के निर्दोष भेड़ के सात नर बच्चे विशेष होमबलि के पशु के लिये होते थे।

गिनती 28:12

दो बछड़े और एक मेढ़े के साथ क्या अन्नबलि दी गई?

दो बछड़ों की अन्नबलि तेल से सना हुआ एपा का तीन दसवाँ अंश मैदा, और एक मेढ़े की अन्नबलि के साथ तेल से सना हुआ एपा का दो दसवाँ अंश मैदा था।

गिनती 28:13

प्रत्येक भेड़ के लिए अन्नबलि क्या थी?

प्रत्येक भेड़ के लिए तेल से सना हुआ एपा का दसवाँ अंश मैदा अन्नबलि थी।

गिनती 28:14

इन विशेष होमबलियों को कितनी बार चढ़ाना होता था?

यह विशेष होमबलि पूरे वर्ष प्रत्येक महीने चढ़ानी होती थी।

गिनती 28:15

नित्य होमबलि और अर्घ के साथ क्या चढ़ाया जाता था?

एक बकरा यहोवा को पापबलि के रूप में चढ़ाया गया।

गिनती 28:16

यहोवा का फसह कब हुआ?

यहोवा का फसह पहले महीने के चौदहवें दिन हुआ।

गिनती 28:16–17

किस दिन पर्व लगना था और सात दिनों तक किस प्रकार की रोटी खाई जानी थी?

पर्व पहले महीने के पंद्रहवें दिन को लगना था, और उन लोगों को सात दिनों तक अख़मीरी रोटी खानी थी।

गिनती 28:18

फसह के पहले दिन उन्होंने यहोवा का आदर करने के लिए क्या किया, और उस दिन उन्होंने क्या नहीं किया?

यहोवा का आदर करने के लिए उनकी एक पवित्र सभा थी; उस दिन उन्होंने कोई परिश्रम का काम नहीं किया।

गिनती 28:19

फसह के सात दिनों के दौरान कौन से पशुओं को होमबलि करके चढ़ाना था?

उन्होंने दो बछड़े, एक मेढ़ा, और एक-एक वर्ष के सात भेड़ के नर निर्दोष बच्चे चढ़ाए।

गिनती 28:20

उन्होंने दो बछड़ों और मेढ़े के साथ क्या अन्नबलि चढ़ाई?

बछड़ों के साथ उन्होंने तेल से सना हुआ एपा का तीन दसवाँ अंश मैदा चढ़ाया और मेढ़े के साथ उन्होंने दो दसवाँ अंश मैदा चढ़ाया।

गिनती 28:21

उन्होंने भेड़ के बच्चों के साथ क्या चढ़ाया?

प्रत्येक भेड़ के बच्चों के साथ उन्होंने तेल से सना हुआ एपा का दसवाँ भाग मैदा चढ़ाया।

गिनती 28:22

बकरा क्यों दिया गया था?

बकरे को उनके लिए प्रायश्चित करके पापबलि के रूप में चढ़ाया जाना था।

गिनती 28:25

फसह के पर्व के सातवें दिन क्या हुआ?

फसह के पर्व के सातवें दिन उन्हें यहोवा का सम्मान करने के लिए एक पवित्र सभा करनी थी और उस दिन कोई परिश्रम का काम नहीं करना था।

गिनती 28:26

कटनी के पर्व में पहली उपज के दिन उन्हें क्या चढ़ाना था और उस दिन उन्होंने क्या किया?

पहली उपज के दिन, वे अपने कटनी के पर्व में यहोवा के लिये नया अन्नबलि चढ़ाते थे, और यहोवा का सम्मान करने के लिए एक पवित्र सभा करते थे और उस दिन परिश्रम का कोई काम नहीं करते थे।

गिनती 29:1

इस्राएल के लोगों ने सातवें महीने के पहले दिन पवित्र सभा क्यों की; उन्होंने उस दिन क्या नहीं किया और क्या किया?

सातवें महीने के पहले दिन इस्राएल के लोगों ने यहोवा का सम्मान करने के लिए एक पवित्र सभा की; उन्होंने कोई परिश्रम का काम नहीं किया और उन्होंने नरसिंगा फूँका।

गिनती 29:2

उस दिन उन्होंने कौन से पशु की बलि चढ़ाई और क्यों चढ़ाई?

उस दिन, उन्होंने एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और एक-एक वर्ष के सात निर्दोष भेड़ के नर बच्चों की होमबलि चढ़ाई—जिससे यहोवा के लिये सुखदायक सुगन्ध हो।

गिनती 29:3

वे पशुओं के साथ क्या अन्नबलि चढ़ाते थे?

पशुओं के साथ उन्होंने तेल से सने हुए मैदा की अन्नबलि चढ़ाते थे।

गिनती 29:4

उन्होंने एक बकरा क्यों चढ़ाया?

उन्होंने अपने प्रायश्चित के लिए एक बकरे को पापबलि के रूप में चढ़ाया।

गिनती 29:6

उन्हें हर महीने चढ़ाए जाने वाले सभी नित्य बलिदानों के अतिरिक्त यह पापबलि कब चढ़ानी थी?

उन्हें यह पापबलि सातवें महीने में चढ़ानी थी, जो कि हर महीने चढ़ाए जाने वाले सभी नित्य बलिदानों के अतिरिक्त था।

गिनती 29:7

यहोवा ने इस्राएल के लोगों को सातवें महीने के दसवें दिन क्या करने को कहा?

सातवें महीने के दसवें दिन इस्राएल के लोगों को यहोवा का सम्मान करने, स्वयं को नम्र करने और कोई काम न करने के लिए एक पवित्र सभा करनी थी।

गिनती 29:8

सातवें महीने के दसवें दिन यहोवा के लिए सुखदायक सुगन्ध उत्पन्न करने के लिए उन्हें कौन से पशुओं को होमबलि के रूप में चढ़ाना था?

सातवें महीने के दसवें दिन इस्राएलियों को एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और एक-एक वर्ष के सात भेड़ के नर बच्चों को—होमबलि करके चढ़ाना था।

गिनती 29:9–10

इस्राएल के लोगों को प्रत्येक पशु के साथ क्या रखना था?

इस्राएल के लोगों को प्रत्येक पशु के साथ तेल से सने हुए मैदे को डालना था।

गिनती 29:11

बकरा क्यों चढ़ाया गया था?

बकरे को पापबलि के रूप में दिया गया।

गिनती 29:12

किस दिन यहोवा को सम्मान देने के लिए एक और पवित्र सभा हुई जिसमें उन्होंने कोई परिश्रम का काम नहीं किया और इस बार सात दिनों तक उनके लिये पर्व मनाया?

सातवें महीने के पंद्रहवें दिन यहोवा को सम्मान देने के लिए एक और पवित्र सभा हुई जिसमें उन्होंने कोई परिश्रम का काम नहीं किया और सात दिनों तक उनके लिये पर्व मनाया।

गिनती 29:13

इस दिन उन्होंने कितने बछड़े, मेढ़े और एक-एक वर्ष के निर्दोष भेड़ के नर बच्चे चढ़ाए?

इस दिन उन्होंने तेरह बछड़े, दो मेढ़े और एक-एक वर्ष के चौदह भेड़ के नर बच्चे चढ़ाए; और ये सब निर्दोष थे।

गिनती 29:16

अन्नबलि, अर्घ और अन्य पशु बलि के अलावा, पापबलि के रूप में और कौन सा पशु चढ़ाया जाता था?

अन्नबलि, अर्घ और अन्य पशु बलि के अतिरिक्त, एक बकरा पापबलि के रूप में चढ़ाया जाता था।

गिनती 29:17

सभा के दूसरे दिन उन्होंने कितने बछड़े चढ़ाए?

सभा के दूसरे दिन, उन्होंने बारह बछड़े चढ़ाए।

गिनती 29:20–22

सभा के तीसरे दिन उन्होंने कितने बछड़े चढ़ाए?

सभा के तीसरे दिन उन्होंने ग्यारह बछड़े चढ़ाए, और पिछले दिन के भी सभी बलिदानों को चढ़ाया।

गिनती 29:23–25

सभा के चौथे दिन उन्होंने पिछले दिन की सभी बलिदानों के अतिरिक्त कितने बछड़े चढ़ाए?

सभा के चौथे दिन इस्राएल के लोगों को दस बछड़ों के साथ-साथ पिछले दिन की सभी बलिदानों को भी चढ़ानी थीं।

गिनती 29:26–28

इस्राएल के लोगों को सभा का पाँचवाँ दिन कैसे मनाना था?

सभा के पाँचवें दिन इस्राएल के लोगों को नौ बछड़े और पिछले दिन की सारी बलिदानों को चढ़ानी थीं।

गिनती 29:29–31

इस्राएल के लोगों ने सभा का छठा दिन कैसे मनाया?

सभा के छठे दिन इस्राएल के लोगों को आठ बछड़े और पिछले दिन की सारे बलिदानों को चढ़ानी थी।

गिनती 29:32–34

इस्राएलियों को सभा के सातवें दिन को कैसे मनाना था?

सभा के सातवें दिन इस्राएलियों को सात बछड़े और पिछले दिन की सभी बलिदानों को चढ़ानी थीं।

गिनती 29:35

इस्राएलियों को सभा के आठवें दिन को कैसे मनाना था?

सभा के आठवें दिन इस्राएलियों को एक बार फिर महासभा करनी थी और कोई परिश्रम का काम नहीं करना था।

गिनती 29:36

आठवें दिन यहोवा के लिए सुखदायक सुगन्ध देने के लिये उन्हें हव्य में होमबलि के रूप में कौन से पशु चढ़ाने थे?

उन्हें एक बछड़ा, एक मेढ़ा, और एक-एक वर्ष के सात निर्दोष भेड़ के नर बच्चों को चढ़ाने थे।

गिनती 29:37–38

बछड़े, मेढ़े और एक वर्ष के सात निर्दोष नर भेड़ के बच्चों के अलावा उनके पास और क्या चढ़ाने को था?

बछड़े, मेढ़े और सात नर भेड़ के बच्चों के अलावा, जो एक वर्ष के और निर्दोष हों, उन्हें अन्नबलि और अर्घ के साथ-साथ एक बकरा भी पापबलि के रूप में चढ़ाना था।

गिनती 29:39

होमबलि, अन्नबलि, अर्घ और मेलबलि के अलावा उनके पास और क्या-क्या चढ़ावे थे?

उनके होमबलि, अन्नबलि, अर्घ और मेलबलि के अतिरिक्त, उनके पास मन्नतें और स्वेच्छाबलि भी थे।

गिनती 29:40

मूसा ने इस्राएलियों से क्या कहा था?

मूसा ने इस्राएलियों को वह सब कुछ सुनाया जो यहोवा ने उसे कहने की आज्ञा दी थी।

गिनती 30:1–2

मन्नत मानने वाले पुरुष क्या न करे?

वह अपना वचन न टाले।

गिनती 30:3–4

यदि कोई स्त्री अपनी कुँवारी अवस्था में अपने पिता के घर में रहते हुए, यहोवा की मन्नत माने और उसका पिता उसकी मन्नत सुनकर कुछ न कहे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है।

गिनती 30:5

यदि कोई स्त्री अपनी कुँवारी अवस्था में अपने पिता के घर में रहते हुए, यहोवा की मन्नत माने और उसका पिता उसकी सुनकर उसी दिन उसको मना करे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

नहीं, उसकी मन्नत स्थिर नहीं रहती है।

गिनती 30:6–7

यदि कोई स्त्री अपनी कुँवारी अवस्था में अपने पिता के घर में रहते हुए मन्नत माने, और उसका पति सुनकर उस दिन उससे कुछ न कहे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है।

गिनती 30:8

यदि किसी स्त्री का पति उसकी मन्नत सुनकर उसी दिन उसे मना कर दे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

नहीं, उसकी मन्नत स्थिर नहीं रहती है।

गिनती 30:9

यदि कोई विधवा या त्यागी हुई स्त्री यहोवा से मन्नत मानती है, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है।

गिनती 30:10

यदि कोई स्त्री अपने पति के घर में रहते मन्नत माने और उसके पति ने जिस दिन इसके बारे में सुना उसी दिन इसे पूरी रीति से तोड़ दे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

नहीं, उसकी मन्नत स्थिर नहीं रहती है।

गिनती 30:10–11

यदि कोई स्त्री अपने पति के घर में रहते मन्नत माने और उसका पति सुनकर कुछ न कहे, और न उसे मना करे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है।

गिनती 30:12–13

यदि कोई स्त्री अपने पति के घर में रहते मन्नत माने और उसका पति उसकी मन्नत सुनकर उसी दिन पूरी रीति से तोड़ दे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

नहीं, उसकी मन्नत स्थिर नहीं रहती है।

गिनती 30:13–14

यदि कोई स्त्री अपने पति के घर में रहते मन्नत माने और उसका पति दिन प्रतिदिन उससे कुछ भी न कहे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है।

गिनती 30:15

यदि किसी स्त्री का पति उसके मन्नत के बारे में सुनकर बहुत दिन पश्चात् तोड़ दे, तो क्या उसकी मन्नत स्थिर रहती है?

हाँ, उसकी मन्नत स्थिर रहती है और यदि वह उन्हें सुनकर बहुत दिन पश्चात् तोड़ दे, तो अपनी स्त्री के अधर्म का भार वही उठाएगा।

गिनती 31:1–2

यहोवा ने मूसा से क्या कहा कि इस्राएलियों का मिद्यानियों से पलटा लेने के बाद क्या होगा?

यहोवा ने मूसा से कहा कि इस्राएलियों का मिद्यानियों से पलटा लेने के बाद मूसा मर जाएगा और अपने लोगों में जा मिलेगा।

गिनती 31:3–5

प्रत्येक गोत्र को मिद्यानियों के विरुद्ध यहोवा का पलटा लेने के लिए कितने हथियार-बन्द पुरुष भेजने थे?

प्रत्येक गोत्र के एक-एक हजार पुरुष भेजने थे।

गिनती 31:6–8

इस्राएल की मिद्यान के विरुद्ध युद्ध में क्या हुआ?

सभी मिद्यानी मारे गये, जिनमें उनके राजा और बिलाम भी शामिल थे।

गिनती 31:9

इस्राएलियों ने मिद्यान से लूट में क्या लिया?

इस्राएलियों ने मिद्यानी स्त्रियों को बाल-बच्चों समेत बन्दी बना लिया; और उनके गाय-बैल, भेड़-बकरी, और उनकी सारी सम्पत्ति को लूट लिया।

गिनती 31:13–15

मूसा इस्राएल की सेना के सहस्रपति-शतपति आदि, सेनापतियों पर क्यों क्रोधित थे?

मूसा सहस्रपति-शतपति आदि, सेनापतियों पर क्रोधित थे क्योंकि उन्होंने मिद्यान की सब स्त्रियों को जीवित छोड़ दिया था।

गिनती 31:16

मूसा इस बात से क्यों क्रोधित थे कि इस्राएलियों के सहस्रपति-शतपति आदि, सेनापतियों ने मिद्यानी स्त्रियों को जीवित छोड़ दिया था?

मूसा क्रोधित था क्योंकि मिद्यान की स्त्रियों ने बिलाम की सम्मति से इस्राएलियों को यहोवा के विरुद्ध विश्वासघात करने के लिए प्रेरित किया था।

गिनती 31:17

मूसा ने इस्राएल की सेना के सेनापतियों को किन्हें मारने का आदेश दिया?

मूसा ने सेनापतियों से कहा कि बाल-बच्चों में से हर एक लड़के को, और जितनी स्त्रियों ने पुरुष का मुँह देखा हो उन सभी को घात करे।

गिनती 31:18

मूसा ने सेना के सेनापति से किसे अपने लिए जीवित रखने के लिए कहा?

मूसा ने सेना के सेनापति से उन सब लड़कियों को जीवित रखने के लिए कहा जिन्होंने पुरुष का मुँह न देखा हो।

गिनती 31:18–19

जितनों ने किसी प्राणी को घात किया, और जितनों ने किसी मरे हुए को छुआ हो, उन लोगों को इस्राएल के छावनी के बाहर कितने दिनों तक रहना था?

उन्हें सात दिनों तक छावनी के बाहर रहना था।

गिनती 31:19

इस्राएल की छावनी के बाहर डेरा डाले हुए सैनिकों और उनके बन्दियों को किन-किन दिनों में स्वयं को अपने-अपने को पाप छुड़ाकर पावन करना था?

जो इस्राएल की छावनी के बाहर डेरा डाले हुए थे, उन्हें तीसरे और सातवें दिनों में अपने-अपने को पाप छुड़ाकर पावन करना था।

गिनती 31:19–20

इस्राएल की सेना में किन लोगों को स्वयं को पावन करना था?

सेना के सभी लोगों को जिन्होंने किसी प्राणी को घात किया था या किसी मरे हुए को छुआ था, उन्हें स्वयं को पाप छुड़ाकर पावन करना था।

गिनती 31:25–27

मूसा ने एलीआजर याजक से युद्ध की लूट को किन दो समूहों के बीच बांटने के लिए कहा?

मूसा ने एलीआजर से कहा कि युद्ध में प्राप्त लूट को आधा-आधा करके एक भाग उन सिपाहियों को जो युद्ध करने को गए थे, और दूसरा भाग मण्डली को दे।

गिनती 31:28–29

वह कर क्या था जो सिपाहियों को एलीआजर याजक को देना था?

सिपाहियों को यहोवा के लिये एलीआजर याजक को हर पाँच सौ मनुष्यों, गाय-बैल, गदहे, भेड़-बकरियाँ के पीछे एक को कर मानकर देना था।

गिनती 31:30–31

इस्राएलियों को निवास की रखवाली करनेवाले लेवियों को कौन-कौन सा कर देना था?

इस्राएलियों को प्रत्येक पचास मनुष्यों, गाय-बैल, गदहे, भेड़-बकरियों के पीछे एक को कर मानकर देना था।

गिनती 31:50–51

इस्राएल की सेना के सेनापति यहोवा के सामने भेंट क्यों ले आए?

वे यहोवा के सामने भेंट इसलिए ले आए ताकि अपने प्राणों के निमित्त यहोवा के सामने प्रायश्चित्त कर सकें।

गिनती 31:52–54

सहस्त्रपतियों और शतपतियों ने सारा सोना यहोवा को भेंट करके क्यों दिया?

यह मिलापवाले तम्बू में पहुँचा दिया गया, कि इस्राएलियों के लिये यहोवा के सामने स्मरण दिलानेवाली वस्तु ठहरे।

गिनती 32:1–3

रूबेनियों और गादियों ने मूसा के पास जाकर उनसे क्यों बात किया?

गादी और रूबेनी लोग मूसा के पास इसलिए गए और उससे बातें कीं क्योंकि उन्होंने याजेर और गिलाद देशों को देखा कि वह पशुओं के योग्य देश है, और यह इसलिए हुआ क्योंकि रूबेनियों और गादियों के पास बहुत से जानवर थे।

गिनती 32:6

मूसा ने क्यों सोचा कि गाद और रूबेन के वंशज याजेर और गिलाद में बैठे रहेंगे?

मूसा ने ऐसा इसलिए सोचा क्योंकि वे वहीं बसना चाहते थे और अपने भाइयों को युद्ध करने के लिये अकेला छोड़ देना चाहते थे।

गिनती 32:7

मूसा ने क्या सोचा था कि अगर गाद और रूबेन के लोग वहाँ बस गए तो इस्राएलियों के हृदयों पर क्या असर होगा?

उसने सोचा कि लोगों के हृदय हतोत्साहित हो जायेंगे।

गिनती 32:9

जब मूसा ने उनके बापदादों को कादेशबर्ने से कनान देश को देखने के लिए भेजा था, तो उन्होंने क्या किया था?

उन्होंने देश को देखा और फिर इस्राएलियों के हृदय को हतोत्साहित कर दिया था, इसलिए उन्होंने उस देश में प्रवेश करने से अस्वीकार कर दिया था।

गिनती 32:10–12

यहोवा ने क्यों शपथ खाई कि कालेब और यहोशू को छोड़कर, इस्राएल के बीस वर्ष और उससे अधिक आयु के मनुष्यों में से कोई भी, उस देश को देखने न पाएँगे जिसे उन्होंने अब्राहम, इसहाक, और याकूब से शपथ खाई थी?

यहोवा ने यह शपथ इसलिए खाई क्योंकि उनका कोप इस बात पर था कि इस्राएल के मनुष्य पूरी रीति से उनके पीछे नहीं हो लिए।

गिनती 32:13

यहोवा ने अपने भड़के हुए कोप में इस्राएलियों के साथ क्या किया?

उन्होंने उन्हें चालीस वर्षों तक जंगल में मारे-मारे फिरने दिया।

गिनती 32:16–17

रुबेनियों और गादियों ने मूसा से क्या कहा कि यदि वह उन्हें अपने पशुओं के लिये भेड़शालाएँ और अपने बाल-बच्चों के लिये नगर बसाने दे, तो वे क्या करेंगे?

उन्होंने कहा की वे इस्राएलियों के आगे-आगे हथियार-बन्द तब तक चलेंगे, जब तक उनको उनके स्थान में न पहुँचा दें।

गिनती 32:20–22

मूसा ने रूबेनियों और गादियों की विनती पर क्या कहा?

मूसा ने उनसे कहा कि यदि वे यहोवा के आगे-आगे युद्ध करने के किए हथियार-बांधेंगे और देश से शत्रुओं को बाहर निकाल देंगे, तो तो वे अपने अधिकार वाले देश में वापस लौट सकेंगे और यहोवा और इस्राएल के विषय निर्दोष ठहरेंगे।

गिनती 32:28–30

यदि रूबेनी और गादी पुरुष इस्राएलियों के साथ यरदन पार नहीं जाते और युद्ध करके यहोवा द्वारा उन्हें दी गई देश को अपने वश में नहीं करते, तो क्या होता?

यदि वे इस्राएलियों के साथ यरदन पार नहीं जाते और युद्ध करके यहोवा द्वारा उन्हें दी गई देश को उनके वश में नहीं करते, तो उन्हें गिलाद देश में उनकी निज भूमि उन्हें नहीं मिलेगी, बल्कि उनकी निज भूमि कनान देश के बीच ही ठहरेगी।

गिनती 32:31–32

गादी और रूबेनी और मनश्शे के आधे गोत्र ने इस्राएलियों के प्रधानों से क्या वादा किया?

उन्होंने कनान देश में जाने का वादा किया।

गिनती 32:33

मूसा ने गादियों और रूबेनियों को, और मनश्शे के आधे गोत्रियों को किसका देश दिया?

मूसा ने उन्हें एमोरियों के राजा सीहोन और बाशान के राजा ओग, दोनों के राज्यों का देश, नगरों, और उनके आस-पास की भूमि समेत दे दिया।

गिनती 33:3–4

इस्राएली रामसेस से सब मिस्रियों के देखते क्यों बेखटके निकल पाए?

वे बेखटके इसलिए निकल पाए क्योंकि मिस्री अपने सब पहिलौठों को मिट्टी देने में व्यस्त थे।

गिनती 33:9

इस्राएलियों ने एलीम में डेरा खड़ा करने का चुनाव क्यों किया?

उन्होंने वहाँ डेरा खड़ा करने का चुनाव इसलिए किया क्योंकि वहाँ पानी के बारह सोते और सत्तर खजूर के वृक्ष थे।

गिनती 33:14

इस्राएलियों को रपीदीम में क्या नहीं मिला?

रपीदीम में उन लोगों को पीने का पानी न मिला।

गिनती 33:38–39

इस्राएलियों के मिस्र देश से निकलने के कितने समय बाद हारून होर पर्वत पर चढ़ा, और वहाँ मर गया?

इस्राएलियों के मिस्र देश से निकलने के चालीसवें वर्ष के पाँचवें महीने के पहले दिन को हारून होर पर्वत पर चढ़ा, और वहाँ मर गया।

गिनती 33:50–52

जब लोग यरदन पार करके कनान देश में पहुंचे तो यहोवा ने मूसा के माध्यम से लोगों को क्या करने की आज्ञा दी?

यहोवा ने उन्हें आज्ञा दिया कि वे उस देश के सभी निवासियों को बाहर निकाल दें और उनकी सभी मूर्तियों को नाश कर दें और पूजा के ऊँचे स्थानों को ढा दें।

गिनती 33:53–54

यहोवा चाहता थे कि इस्राएली लोग उस देश को, जिसे वे अपने अधिकार में लेने वाले थे, कैसे बाँटें?

यहोवा चाहते थे कि इस्राएली लोग देश को चिट्ठी डालकर अपने कुलों के अनुसार बाँटे; अर्थात् जो कुल अधिकवाले हैं उन्हें अधिक, और जो थोड़ेवाले हैं उनको थोड़ा भाग दें।

गिनती 33:55–56

यदि इस्राएली लोग देश के निवासियों को अपने आगे से न निकालते तो क्या परिणाम होते?

यदि जिन निवासियों को वे अपने आगे से न निकालते, तो वे उनके जीवन को संकट में डाल देते।

गिनती 34:13

कनान देश के अधिकारी होने वाले लोग कौन थे?

इस्राएल के साढ़े नौ गोत्र कनान देश के अधिकारी होने वाले लोग थे।

गिनती 34:14–15

रूबेनियों और गादियों के गोत्र और मनश्शे के आधे गोत्र ने अपने भाग के रूप में क्या पाया?

रूबेनियों और गादियों के गोत्र और मनश्शे के आधे गोत्र को यरीहो के पूर्व में यरदन नदी के पार भूमि का अपना भाग मिलेगा।

गिनती 34:16–18

उस देश को बाँटने के लिये किन पुरुषों को नियुक्त किया गया था?

एलीआजर याजक, नून का पुत्र यहोशू, और इस्राएल के प्रत्येक गोत्र से एक-एक प्रधान को उस देश को बाँटने के लिये नियुक्त किया गया था।

गिनती 34:29

यहोवा ने इन पुरुषों को क्या आज्ञा दी?

यहोवा ने इन पुरुषों को कनान देश को इस्राएलियों के लिये बाँटने की आज्ञा दी।

गिनती 35:1–2

यहोवा ने इस्राएल के प्रत्येक गोत्र को लेवियों के लिये क्या देने की आज्ञा दी?

यहोवा ने आज्ञा दी कि इस्राएल के प्रत्येक गोत्र अपने-अपने निज भाग की भूमि में से लेवियों को रहने के लिये नगर, और नगरों के चारों ओर की चराइयाँ भी उनको दें।

गिनती 35:6

लेवियों को कितने नगर दिए जाने थे?

लेवियों को अड़तालीस नगर दिए जाने थे।

गिनती 35:6 (#2)

लेवियों को मिलने वाले छः शरणनगर का उद्देश्य क्या था?

वे शरणनगर के रूप में ठहराए जाएँगे जहां आरोपी खूनी भाग सकते हैं।

गिनती 35:12

शरणनगर पलटा लेनेवाले मनुष्य से खूनी के किस काम आता?

जो कोई भी अनजाने में किसी की हत्या कर देता था, वह उनके पास भाग सकता था और जानता था कि जब तक वह मण्डली के सामने न्याय के लिये खड़ा न हो तब तक उसे नहीं मारा जाएगा।

गिनती 35:16–18

किसी खूनी को अवश्य रूप से क्यों मार डाला जाए?

यदि कोई किसी को लोहे के किसी हथियार से, कोई ऐसा पत्थर हाथ में लेकर, या कोई हाथ में ऐसी लकड़ी लेकर, किसी को मारे, और वह मर जाए, तो वह खूनी ठहरेगा; और उसे अवश्य मार डाला जाएगा।

गिनती 35:20–21

यदि कोई किसी को बिना हथियार के ऐसा मारे कि वह मर जाए, तो क्या होगा?

यदि कोई किसी को बैर से ढकेल दे, या घात लगाकर कुछ उस पर ऐसे फेंक दे, या शत्रुता से उसको अपने हाथ से ऐसा मारे कि वह मर जाए, तो जिसने मारा हो वह अवश्य मार डाला जाए।

गिनती 35:25

खूनी को लहू के पलटा लेनेवाले के हाथ से बचाने के लिए मण्डली को क्या करना चाहिए?

मण्डली उस खूनी को लहू के पलटा लेनेवाले के हाथ से बचाकर उस शरणनगर में लौटा दे जहाँ वह पहले भागा था।

गिनती 35:26–27

लहू का पलटा लेनेवाला खूनी को किस समय मार सकता था और दोषी भी नहीं ठहरता?

यदि वह खूनी उस शरणनगर की सीमा से बाहर पाया जाता, जहाँ वह शरण लेने के लिए भागा था, तब लहू का पलटा लेनेवाला उसे मार सकता था और वह लहू बहाने का दोषी न ठहरता।

गिनती 35:28

एक खूनी अपनी निज भूमि में कब लौट सकेगा?

महायाजक के मरने के पश्चात् वह अपनी निज भूमि को लौट सकेगा।

गिनती 35:30

किसी खूनी को मार डालने से पहले क्या आवश्यक है?

किसी खूनी को मार डालने से पहले एक से अधिक साक्षियों की साक्षी आवश्यक है।

गिनती 35:31–32

किसी खूनी के प्राणदण्ड के बदले कौन-सा जुर्माना लिया जा सकता है?

किसी खूनी के प्राणदण्ड के बदले कोई भी जुर्माना नहीं लिया जाएगा, और न ही उस खूनी के लिये जो शरणनगर को भागा हो।

गिनती 35:33–34

जिस देश में खून बहा है, उसके लिए केवल क्या प्रायश्चित हो सकता है?

केवल उसी का लहू जिसने खून बहाया है, देश के लिए प्रायश्चित करेगा।

गिनती 36:1–2

यहोवा ने मूसा को सलोफाद का भाग किसे देने की आज्ञा दी?

यहोवा ने मूसा को सलोफाद का भाग उसकी बेटियों को देने की आज्ञा दी।

गिनती 36:3

यदि सलोफाद की बेटियाँ इस्राएलियों के और किसी गोत्र के पुरुषों से ब्याही जाएँ, तो उनके भाग का क्या होता?

यदि सलोफाद की बेटियाँ किसी और गोत्र के पुरुषों से ब्याही जाएँ, तो उनका भाग उसी गोत्र के भाग में मिल जाएगा जिसमें वे ब्याही गई हैं।

गिनती 36:4

जब इस्राएलियों की जुबली होगी, तो उस भाग का क्या होगा जो उस बेटी की थी, जो किसी और गोत्र के पुरुष से ब्याही गई थी?

जब इस्राएलियों की जुबली होगी, तब जिस गोत्र में वे ब्याही जाएँगी उसके भाग में उनका भाग पक्की रीति से मिल जाएगा; और सलोफाद के गोत्र के भाग से सदा के लिये छूट जाएगा।

गिनती 36:5–6

यहोवा ने मूसा के माध्यम से सलोफाद की बेटियों के विषय में क्या आज्ञा दी?

उन्होंने आज्ञा दिया कि सलोफाद की बेटियाँ केवल अपने मूलपुरुष ही के गोत्र के कुल में ब्याही जाएँ।

गिनती 36:7

इस्राएलियों के किसी गोत्र के भाग के साथ क्या कभी नहीं होना चाहिए?

इस्राएलियों के किसी गोत्र का भाग दूसरे के गोत्र के भाग में न मिलने पाए; इस्राएली अपने-अपने मूलपुरुष के गोत्र के भाग पर बने रहें।

गिनती 36:8–9

यहोवा ने यह आज्ञा क्यों दी कि यदि इस्राएलियों के किसी गोत्र में कोई बेटी भाग पाने वाली हो, तो उसे अपने ही मूलपुरुष के गोत्र के किसी पुरुष से ब्याह करना चाहिए?

यहोवा ने यह आज्ञा दिया ताकि इस्राएलियों के एक-एक गोत्र के लोग अपने-अपने भाग पर बने रहें और किसी गोत्र का भाग दूसरे गोत्र के भाग में मिलने न पाए।

गिनती 36:10–12

सलोफाद की बेटियों ने यहोवा की इस आज्ञा का पालन किस अनुसार किया?

वे यूसुफ के पुत्र मनश्शे के वंश के कुलों में ब्याही गईं, और उनका भाग उनके मूलपुरुष के कुल के गोत्र के अधिकार में बना रहा।